आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-96 ● जबलपुर ● शनिवार, 8 मई, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● वैशाख कृष्ण पक्ष -12 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

डिलीट नहीं होगा व्हाट्सएप

नई दिल्ली। व्हाट्सएप के उपयोगकर्ताओं के लिए एक राहत की खबर है। अब कंपनी की नई नीति के तहत प्राइवेसी पॉलिसी को स्वीकार नहीं करने पर भी 15 मई के बाद उपयोगकर्ताओं का खाता डिलीट नहीं होगा। सोशल मीडिया कंपनी की नई प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इस पर कंपनी ने रोक लगाते हुए अब यह राहत दी है।

बाकी मैचों के लिए श्रीलंका तैयार

नई दिल्ली। आईपीएल में कोरोना वायरस के पैर पसारने के बाद इसके बाकी के मैचों को रद्द करने का फैसला लिया गया था, जिसके बाद कई देशों ने अपने यहां बचे हुए सीजन के मैचों को खेलने का प्रस्ताव रखा। हाल ही में भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका ने भी आईपीएल 2021 के बाकी सभी मैचों के लिए मेजबानी करने का प्रस्ताव भारत के सामने रखा है।

मरीजों को ब्लैक फंगस

सूरत में निकालनी पड़ीं 8 मरीजों की आंखें

सूरत। कोरोना वायरस के साथ-साथ देश में अब ब्लैक फंगस का भी खतरा बढ़ रहा है। गुजरात में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कोरोना से ठीक हुए मरीजों में ब्लैक फंगस भी देखा गया है। इन मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है क्योंकि गुजरात में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। गुजरात के सूरत में म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) से आठ मरीजों ने अपनी आंख की रोशनी खो दी है। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। पिछले 15 दिनों में सूरत में म्यूकोरमाइकोसिस के 40 मामले सामने आए हैं, जिनमें से आठ मरीजों की आंख की रोशनी चली गई है। ये संक्रमण, कोरोना की वजह से फैल रहा है और इसका इलाज हो सकता है। लेकिन अगर इलाज में देरी हो जाए या इलाज न मिले तो इससे मरीज की मौत भी हो सकती है। सूरत के अलावा मुंबई में भी एक 29 सुहास वर्षीय शख्स में म्यूकोरमाइकोसिस का संक्रमण देखा गया। कोरोना से ठीक होने के बाद सुहास में ब्लैक फंगस के लक्षण दिखने लगे और हाल ही में उनकी सर्जरी की गई। दिमाग तक ये इंफेक्शन न पहुंच पाए, इसके लिए डॉक्टरों ने सुहास के ऊपरी जबड़े को हटा दिया। मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में मौजूदा समय में म्यूकोरमाइकोसिस के 18 मरीज इलाज के लिए भर्ती हैं। महाराष्ट्र में ब्लैक फंगस के कई मामले सामने आ गए हैं, जिसमें से कई लोगों का ऊपरी जबड़ा निकालना पड़ा और एक की आईबॉल ही नष्ट हो गई।

एक और खतरा

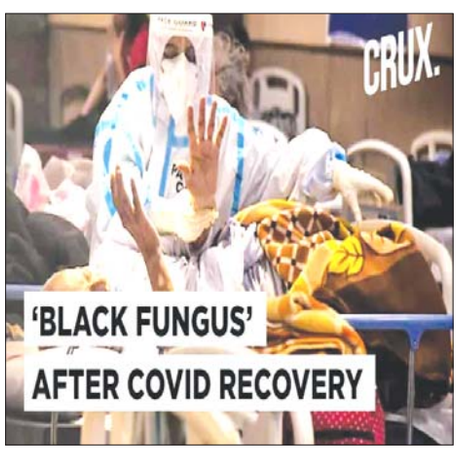

24 घंटे में 4187 मौत

लगातार तीसरे दिन 4 लाख से ज्यादा मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कहर से हाहाकार मचा है। कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी से देश की स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई। देश में जहां पिछले तीन दिन से हर रोज 4 लाख से अधिक नए कोरोना मरीज मिल रहे हैं। वहीं देश में पहली बार 24 घंटे में रिकॉर्ड 4,187 लोगों की कोरोना से मौत हो गई जोकि एक दिन में दर्ज की गई मौतों की अब तक की सबसे अधिक संख्या है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को को यह जानकारी दी। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के खतरनाक होने से देश भर के अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की भारी किल्लत जारी है। सैकड़ों लोग बिना इलाज के ही दम तोड़ रहे हैं। वहीं श्मशान घाटों पर शवों के अंतिम संस्कार के लिए कई घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में 4,01,078 नए कोरोना मरीज मिल हैं। देश में पहली बार एक दिन में 4,187 लोगों ने दम तोड़ा है। महामारी के शुरू होने से लेकर अब तक एक दिन में जान गंवाने वालों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके साथ कोविड से मरने वालों की संख्या 2,38,270 पहुंच गई।

क्विक अपडेट

पॉजीटिव कंगना की अब कोरोना से जंग

मुंबई। बॉलीवुड की क्वीन कहलाने वाली अभिनेत्री कंगना रणौत भी अब कोरोना की चपेट में आ गई हैं। उनका कोविड टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी है। खुद को क्वारंटीन करके वे कोविड दिशा निर्देशों का पालन कर रही हैं। अभिनेत्री कंगना रणौत ने इंस्टाग्राम के जरिए एक पोस्ट साझा कर अपने कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा 'मैं पिछले कुछ दिनों से अपनी आंखों में हल्की जलन और थका हुआ व कमजोर महसूस कर रही थी। हिमाचल जाने की उम्मीद कर रही थी, इसलिए कल मेरा कोविड टेस्ट हुआ और आज रिपोर्ट आई कि मैं पॉजिटिव हूं।

तमिलनाडु में बढ़ते मामलों के बीच 10 मई से संपूर्ण लॉकडाउन

चेन्नई। देश में कोरोना की दूसरी लहर ने कोहराम मचा दिया है। अभी देश की जनता दूसरी लहर का ही सामना कर रही है कि वैज्ञानिकों ने तीसरी लहर की चेतावनी दे दी है। इसी बीच कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच तमिलनाडु सरकार ने दो हफ्तों के लिए संपूर्ण लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है।

चुनावी रंजिश में चली गोली बालक को लगी, मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के फतेहपुर चौरासी थाना इलाके में चुनावी रंजिश में निर्वाचित प्रधान के पति ने साथियों के साथ असलहों से लैस होकर अपने प्रतिद्वंद्वी प्रधान प्रत्याशी के घर हमला बोल दिया। प्रधान पक्ष की ओर कई राउंड फायरिंग की गई। घटना में प्रतिद्वंद्वी प्रधान प्रत्याशी के 12 वर्ष के भतीजे के सीने में गोली लग गई। जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि मारपीट में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए।

ये है सूबे के स्वास्थ्य मंत्री प्रभु का शहर

एंबुलेंस की फोटो विज्ञापन में छपी थी दादी को ठेले पर ले जाना पड़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश में महामारी फैल गई है। लोग अस्पताल के दरवाजों पर मर रहे हैं। ऐसे हालात में शिवराज सिंह चौहान सरकार के विज्ञापन दर्द को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के शहर में संवेदनशील सरकार, अस्पताल और एंबुलेंस के बड़े-बड़े विज्ञापन छपे हैं परंतु बीमार मां को अस्पताल में ले जाने के लिए कोई नहीं आया। नागरिकों को महामारी और प्राकृतिक आपदा से बचाना सरकार का नैतिक दायित्व नहीं बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। पेट्रोल पर टैक्स लगाने और शराब की दुकानों की नीलामी करने के लिए जनता सरकार का गठन नहीं करती। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नजदीक रायसेन जिले की सांची विधानसभा (जहां के विधायक प्रभु राम चौधरी, सत्ता के दूसरे शक्ति केंद्र ज्योतिरादित्य सिंधिया के खास मंत्री हैं) शहर में सर्दी जुकाम से पीड़ित 70 वर्षीय महिला को अस्पताल तक ले जाने के लिए कोई सरकारी सहायता उपलब्ध नहीं थी। मजबूरी में महिला के प्रपत्र ने प्रपोत्र हाथ ठेले पर दादी मां को बिठाकर एक प्राइवेट डॉक्टर से इलाज करवाया। मध्यप्रदेश में इन दिनों शिवराज सिंह चौहान सरकार अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन कर रही है जारी कर रही है। पूरे प्रदेश में लॉक डाउन है लेकिन सड़कों के किनारे बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं। विज्ञापनों के जरिए बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में सरकार संवेदनशील है, हर बीमार व्यक्ति को इलाज मिल रहा है, लोग स्वस्थ हो रहे हैं और आनंद में है। दरअसल मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के ज्यादातर विधायकों एवं मंत्रियों को जनता की जनता इसलिए नहीं है क्योंकि वह जानते हैं कि जब तक विधानसभा चुनाव की बारी आएगी, कुछ ना कुछ ऐसा कर लिया जाएगा कि जनता इस दर्द को भूल जाएगी। जहां तक श्री प्रभु राम चौधरी का प्रश्न है तो सभी जानते हैं कि टिकट और मंत्री पद ज्योतिरादित्य सिंधिया की कृपा से मिले हैं। अगली बार भी मिल जाएंगे।

राजधानी भोपाल के खराब हालात, कैसे हो मरीजों का उपचार

10 से 20 फीसद डॉक्टर व स्टाफ संक्रमित

भोपाल। जेपी अस्पताल के करीब 20 स्वास्थ्यकर्मी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इनमें 8 डॉक्टर, 16 नर्स और बाकी वार्डबाय ड्रेसर व अन्य कर्मचारी हैं। इसी तरह से हमीदिया अस्पताल के 200 से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हैं। इसमें कंसलटेंट, जूनियर डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। एम्स और दूसरे अस्पतालों का भी यही हाल है। इस वजह से मरीजों के इलाज में परेशानी आ रही है। हमीदिया अस्पताल में तो 30 गंभीर मरीजों वाले वार्ड भी एक नर्स के हवाले हैं। जेपी अस्पताल में भी ऐसी ही स्थिति है। हालांकि, एम्स में स्टाफ पर्याप्त है, इसलिए इतनी दिक्कत नहीं है। जिन स्वास्थ्यकर्मियों को अभी कोरोना हुआ है उन्हें टीका का दूसरा डोस लगे हुए कम से कम एक महीने हो चुके हैं। 95 फीसद को टीका लगा है। हालांकि अच्छी बात यह है कि इनमें से कोई भी गंभीर स्थिति में नहीं है। ज्यादातर होम आइसोलेशन में हैं। जेपी अस्पताल में कुल 64 डॉक्टरों में से 8 फिलहाल कोरोना से संक्रमित हैं। इनमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ केके देवपुजारी, डॉ वायपी पटेल, कोरोना वार्ड के प्रभारी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ योगेंद्र श्रीवास्तव, डॉ वीके दुबे भी शामिल हैं। इनके संक्रमित होने से मेडिसिन विभाग 130 स्टाफ नर्स हैं। इनमें करीब 15 पहले से ही किसी न किसी कारण से छुट्टी पर थीं। 16 स्टाफ नर्स कोरोना से संक्रमित हो गई हैं। हमीदिया अस्पताल में 80 डॉक्टर, 105 स्टाफ नर्स समेत 200 से ज्यादा संक्रमित हो गये है। यहां 680 बिस्तर मिलाकर कुल 1347 बिस्तर हो गए हैं। लेकिन 113 स्टाफ नर्स कोरोना से फिलहाल संक्रमित हैं और छुट्टी पर हैं। कुल 667 नर्सिंग स्टाफ यहां पर है। संक्रमितों के अलावा कुछ पहले से छुट्टी पर हैं।

अमरिंदर ने दिया सख्ती से निपटने का आदेश

लॉकडाउन के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य में बढ़ रहे कोविड के मामलों के मद्देनजर शुक्रवार को सभी डिप्टी कमिश्नरों को अपने-अपने जिलों में जरूरत के अनुसार कोई भी नया और सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए अधिकृत कर दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि दुकानों और निजी दफ्तरों को रोटेशन (बारी-बारी) के आधार खोलने के फैसले को छोड़कर बाकी मौजूदा प्रतिबंधों में किसी तरह की ढील बरतने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने डीजीपी को राज्य में साप्ताहिक लॉकडाउन को सख्ती से लागू करवाने और शनिवार को किसान संघर्ष मोर्चे के लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शन को देखते हुए किसी भी तरह के उल्लंघन को सख्ती से निपटने के आदेश दिए।

खान चाचा रेस्टोरेंट की जांच करेगी अब क्राइम ब्रांच, मिले थे 419 कंस्टट्रेक्टर

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की लोधी कालोनी के रेस्टोरेंट-बार से 419 ऑक्सीजन कन्सट्रेटर मिलने के मामले की जांच अब दिल्ली क्राइम ब्रांच करेगी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, खान मार्केट में खान चाचा रेस्टोरेंट में ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स ज़ब्त करने के मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। आपको बता दें कि लोधी कालोनी के रेस्टोरेंट-बार से 419 ऑक्सीजन कन्सट्रेटर मिलने के मामले में दक्षिण जिला पुलिस ने शुक्रवार को खान मार्केट के दो बड़े रेस्टोरेंट खान चाचा रेस्टोरेंट और टाउन हॉल रेस्टोरेंट में छापेमारी की थी। पुलिस ने दोनों रेस्टोरेंट से करीब 105 कन्सट्रेटर बरामद किए थे। पुलिस ने एक आरोपी की निशानदेही पर खान चाचा रेस्टोरेंट से 96 ऑक्सीजन कन्सट्रेटर और टाउन हॉल से 9 कन्सट्रेटर मशीन बरामद की थीं। मामले में पुलिस अब तक कुल 524 मशीन बरामद कर चुकी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तीनों ही रेस्टोरेंट का मालिक नवनीत कालरा नामक शख्स है। गई तो स्वास्थ्यकर्मी आंदोलन करेंगे। इस पूरे मामले में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में जल्द ही कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया तक बुधवार को लोधी कालोनी थाना पुलिस ने सेंट्रल मार्केट लोधी कालोनी के एक रेस्टोरेंट में छापेमारी की थी।

अस्पताल पर मंत्री के प्रतिनिधि का कब्जा? जिसे चाहता उसे ही बेड मिलता था

उज्जैन। उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव पर गंभीर आरोप लगा है। डॉक्टर संजीव कुमरावत की एक चैट वायरल हो गई है। जिसमें बताया गया है कि मंत्री मोहन यादव के प्रतिनिधि अभय विश्वकर्मा ने अस्पताल पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। वह जिसे चाहता है उसे ही बेड उपलब्ध होता है। आईसीयू में उसके लोग लेटे रहते हैं और गंभीर रूप से बीमार मरीज बाहर पड़े रहते हैं। मंत्री मोहन यादव की भूमिका इसलिए संदिग्ध हो जाती है क्योंकि डॉक्टर संजीव ने अभय विश्वकर्मा से तंग आकर ट्रांसफर मांगा तो तत्काल उनका ट्रांसफर कर दिया गया। जबकि अभय विश्वकर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। मंत्री की मर्जी के बिना उनका प्रतिनिधि इतना सब नहीं कर सकता पूरा मामला प्रभारी डॉक्टर के एक सोशल मीडिया चैट से उजागर हो गया। मंत्री प्रतिनिधि का कहना है, मुझ पर गलत आरोप लगाए जा रहे है तो वहीं कांग्रेस का कहना है कि प्रतिनिधि ही नहीं बल्कि मंत्री को इस मामले में तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

कोविड सेंटर के वालिंटियर सहित तीन युवक रेमडेसिविर बेचते गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के आरोप में बीएचएमएस छात्र टीपू सहित तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। टीपू मानपुर स्थित कोविड केयर सेंटर में वालिंटियर का काम भी कर रहा था। आरोपितों से एक रेमडेसिविर इंजेक्शन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस इनके मोबाइल नंबरों के आधार पर आगे की लिंक तलाश रही है। एसआइ मनोज कटारिया के मुताबिक गिरफ्तार आरोपित टीपू निवासी स्कीम-78 विजयनगर,शाहरुख खान निवासी कजलाना सांवेर और जफर खान निवासी सांवेर पर धोखाधड़ी और महामारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। एसआइ के मुताबिक आरोपित टीपू बीएचएमएस छात्र है और वर्तमान में मानपुर स्थित कोविड केयर सेंटर में वालिंटियर का काम संभाल रहा था। जबकि जफर दवा दुकान पर काम करता था और शाहरुख कपड़े की फेक्टरी में नौकरी करता था।

हार पर रार, मलैया निलंबित तो विश्नोई ने खोला मोर्चा

दमोह। दमोह विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्यासी राहुल सिंह की हार के बाद प्रदेश संगठन ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के कारण पूर्व वित्तमंत्री जयंत मलैया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इतना ही नही भारतीय जनता पार्टी ने दमोह जिले के अपने पांच मंडल अध्यक्षों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया गया है। सभी को 10 दिन के अंदर अपना जवाब प्रस्तुत करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के द्वारा यह कार्यवाई की गई है। इस कार्रवाई के बाद जहां दमोह की सियासत में हड़कंप मच गया है। वही पार्टी के नेताओं की भी अलग अलग राय है। जबलपुर जिले की पाटन विधानसभा के विधायक अजय विश्नोई ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर इस कार्यवाई का विरोध किया है। वही दमोह सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने कार्यवाई को सही बताते हुए ट्वीट किया है।जिन मंडल अध्यक्ष पर कार्यवाही हुई है उनमें अभाना मंडल अजय सिंह, दीनदयाल नगर मंडल संतोष रोहित, दमयंती मंडल मनीष तिवारी, बांदकपुर मंडल अभिलाष हजारी, बांसा मंडल देवेन्द्र सिंह राजपूत और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सिद्धार्थ मलैया को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है।

नेपाल में बेकाबू हुआ कोरोना

काठमांडू। पूरी दुनिया इस वक्त कोरोना वायरस की चपेट में है। भारत और पड़ोसी देशों में भी संक्रमण अपना पैर तेजी से पसार रहा है। सबेस बुरा हाल नेपाल का है। नेपाल में महामारी बेकाबू हो गई है। हालात इतने बिगड़ रहे हैं कि विशेषज्ञों ने सरकार को चेतावनी दी है कि वक्त रहते इसे कम नहीं किया गया तो भारत को भी पीछे छोड़ सकता है। बीते गुरुवार को 8,659 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 58 लोगों की मौत हो गई है।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से की बात

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना की स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की। इधर गिलेड साइंस से रेमडेसिविर की 26,500 वायल भारत पहुंची हैं। वहीं भारत की मदद करने के लिए थाईलैंड भी आगे आया है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि सभी राज्य सरकारों को अबतक वैक्सीन की 17.49 करोड़ डोज दी जा चुकी हैं।

विरोध में पीपल के नीचे सुला दिया मरीज, सुधर गया ऑक्सीजन लेवल

गोरखपुर। गांव ददरा में कोरोना संक्रमित बुजुर्ग स्वराज हिंद पासवान उर्फ गल्ला को सांस लेने की तकलीफ पर अस्पताल में जगह नहीं मिली तो परिजनों ने प्रतीकात्मक विरोध में उनको पीपल के पेड़ के नीचे चारपाई पर सुला दिया। यूं तो अस्पताल में जगह न मिलने पर यह सब किया गया, मगर इसके बाद सारा परिदृश्य ही बदल गया। ग्रामीणों का दावा है कि बुजुर्ग का गिरता ऑक्सीजन स्तर दो घंटे में ही सुधर गया। अब उन्हें आइसोलेट करके काढ़ा व जरूरी दवाएं दी जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक, गोला पीएचसी के तहत आने वाले ददरा गांव निवासी स्वराज हिंद पासवान उर्फ गल्ला कोरोना पॉजिटिव हैं। शुक्रवार को उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई। ऑक्सीजन लेवल भी कुछ कम हो गया। इससे चिंतित परिजनों ने अस्पताल की तलाश शुरू की, एक भी बेड खाली नहीं मिला। मोबाइल फोन से गोरखपुर के अस्पतालों में बेड की जानकारी ली गई। जब बेड नहीं मिला तो परिजन सीएमओ कार्यालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी सुधांशु श्रीवास्तव के पास गए। परिजनों ने मदद मांगी तो सुधांशु ने कहा कि स्वराज को पीपल के पेड़ के नीचे चारपाई डालकर सुला दें। पीपल के पेड़ के नीचे ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है। यह सुझाव सामने आया तो उन्होंने प्रतीकात्मक विरोध और सुझाव के सम्मान के तौर पर बुजुर्ग को पीपल के पेड़ के नीचे चारपाई पर सुला दिया। बुजुर्ग के बेटे शैलेश, भतीजे निखिल व ऋतिक के मुताबिक दो घंटे बाद ही स्वराज की सांस लेने में दिक्कत कम हो गई। ऑक्सीजन का स्तर भी फिलहाल ठीक है।

08 मई विश्व रेडक्रास दिवस

समाजसेवा के लिए तत्पर रेडक्रास सोसायटी

जबलपुर। इंडियन रेडक्रास सोसायटी जबलपुर विगत 40 वर्षों से जबलपुर में रेडक्रास के सिद्धांत मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वप्रेरित सेवा, एकता, सर्वव्यापाकता के अनुरूप निरंतर समाज सेवा के हर क्षेत्र में सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्तमान कोविड 19 संक्रमण महामारी की स्थिति में विभिन्न सेवा कार्य संचालित किये जा रहे हैं जिनमे मेडीकल चिकित्सीय उपकरण रेमडेसीविर इंजेक शन, दवाईयां उपलब्ध कराना, रक्तदान, प्लाज्मा डोनेशन संबंधी कार्य गरीब असहाय परिवारों के लिए राशन/भोजन विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध कराना, मेडीकल कॉलेज अस्पताल में कंट्रोल रूम का संचालन एवं देवजी नेत्रालय में 200 बिस्तर का कोविड सेंटर एवं 100 बिस्तर ऑक्सीजन युक्त का संचालन किया जा रहा है।

रेडक्रास द्वारा नियमित निम्न विभिन्न कार्य संचालित किये जा रहे हैं-

वृद्ध आश्रम- रेडक्रास द्वारा वर्ष 1983 से लगातार 96 सीटर सर्व सुविधायुक्त वृद्ध आश्रम का संचालन निरंतर किया जा रहा है, वर्तमान में आश्रम में 53 महिलाएं और 43 पुरुष निवासरत हैं। वृद्ध आश्रम में निासरत अंत:वासियो को भोजन, कपड़ा, चिकित्सा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कुष्ठ आश्रम- रेडक्रास द्वारा वर्ष 1988 से लगातार सर्वसुविधायुक्त कुष्ठ आश्रम का संचालन निरंतर किया जा रहा है। वर्तमान में आश्रम में 03 महिला और 03 पुरुष निवासरत हैं। कुष्ठ आश्रम में निवासरत अंत:वासियों को भोजन, कपड़ा, चिकित्सा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला नि:शक्त पुर्नवास केन्द्र- रेडक्रास द्वारा संचालित जिला नि:शक्त पुर्नवास केन्द्र द्वारा जबलपुर जिले के दिव्यांगों से संबंधित विकलांगता प्रमाण पत्र कृत्रिम अंग ट्राई साईकिल मोटराइज्ड साईकिल बैशाखी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नशा मुक्ति केन्द्र- रेडक्रास सोसायटी द्वारा केन्द्रीय कारागार जबलपुर में 2010 से नशा मुक्ति केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। केन्द्र के माध्यम से नशा से पीड़ित बंदी भाईयों को चिकित्सा परामर्श आदि सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

रक्तदान शिविर- संस्था द्वारा प्रतिवर्ष समस्त जिले में जबलपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पीड़ित मानव के सहायतार्थ रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्त संग्रहित किया जाता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 1000-1200 यूनिट रक्त संग्रहित कर शासकीय ब्लड बैंकों को भेजा जाता है।

स्वास्थ्य शिविर- रेडक्रास सोसायटी द्वारा जबलपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गरीब बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किाय जाकर चिकित्सीय परामर्श एवं दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आर्थिक सहायता- संस्था के माध्यम से गरीब असहाय पीड़ित परिवारों को इलाज भोजन, यात्रा, शिक्षा आदि के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। विगत वर्ष संस्था के माध्यम से लगभग 651000 रुपए आर्थिक सहायता के लिए वितरित किये गये।

प्राकृतिक आपदा- इंडियन रेडक्रास सोसायटी द्वारा कोविड 19 वैश्विक महामारी संक्रमण काल के दौरान अब तक निम्नानुसार अपनी सेवाएं प्रदान की हैं-

राशन वितरण- कोविड 19 संक्रमण काल के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों, सामाजिक दानदाताओं के सहयोग से कच्चा राशन के 34 हजार पैकेट तैयार कर लगभग 1 लाख जरूरतमंद परिवारों को वितरित किया गया।

भोजन व्यवस्था- जनता कर्फ्यू के दौरान 15 हजार गरीब असहाय जरूरतमंद परिरों को प्रतिदिन भोजन के पैकेट तैयार कराकर लगभग 6 लाख परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया गया एव संक्रमण काल में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे कर्मियों को 1 लाख स्नैक्स के पैकेट एवं 50 हजार कोल्ड ड्रिंक वितरित की गई।

आवश्यक चिकित्सीय उपकरण- कोविड 19 के संक्रमण एवं बचाव में लगे चिकित्सीय स्टाफ सफाई कर्मचारियों के लिए 7.50 हजार पीपीई किट 10000 एन 95 मास्क 20 हजार ग्लब्ज आदि मेडीकल कॉलेज जिला चिकित्सालय नगर पालिका एवं पुलिस विभाग को प्रदान किए गए।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों एवं समाजसेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग से लगातार संक्रमण से बचाव एवं सुरक्षा हेतु मेरा मास्क मेरी सुरक्षा मास्क नही तो बात नहीं आदि जनजागरूकता अभियान चला रही है।

कोरोना से बचना है न तो घर ही रहो

जबलपुर, । वह छोटी है पर है बड़ी समझदार। उसको पता है कि कोरोना वायरस से कैसे बचना है। इसीलिए तो उसने जन जागरुकता के लिए सोशल मीडिया को माध्यम बनाया है। वह फेस बुक के माध्यम से बता रही है कि घर में रहो,यही सुरक्षा है। यहां हम बात कर रहे हैं करीब साढ़े तीन साल की पयस्वनी शर्मा की। जो इस महामारी को लेकर संजीदा है और अपने पिता की तरह लोगों से विनम्र और मार्मिक अपील कर रही है कि आप लोगों को यदि कोरोना से बचना है तो घर से बाहर मत निकलना। बाहर कोरोना है। लाकडाउन लगा है। पयस्वनी का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर छाया हुआ है। जिसे सभी बहुत पसंद कर रहे हैं। यहां यह बताना जरूरी हे कि बेबी पयस्वनी जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की बेटी हैं। जो अपनी बेटी के बारे में बात करते हुए बताते हैं कि पयस्वनी अभी नर्सरी में पड़ती हैं और बहुत एक्टिव हैं। बीते दिनों जब कलेक्टर खुद कोरोना संक्रमित हुए थे तब उन्होंने घर पर आइसोलेशन में रहते हुए दोनों बेटियों को कोरोना के बारे में बताया था। तब से ही बड़ी बेटी मनस्वनि और

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की बेटी पयस्वनी शर्मा की अपील

छोटी बेटी पयस्वनी कोरोना को लेकर बहुत जागरूक हैं। मां डॉ. अपूर्वा शर्मा ने बताया कि हम लोगों ने बेटियों को समझाया था कि कोरोना का संक्रमण न फैले इसलिए इस समय किसी से मिलना नहीं हैं। अपने घर पर ही रहना है। इस कारण बाहर दूकानें भी बंद हैं। इस बात को बेटियां समझी या नहीं यह जानने के लिए हमने उनसे पूछा तो जो- जो हमने बताया था वो उन्होंने हमें बताया। यह सुनकर फिर हमने पयस्वनी का वीडियो बनाया है। पयस्वनी है छोटी पर बहुत चंचल भी है। उसे डांस और पेंटिंग करना बहुत पसंद है। कोई भी बात बहुत जल्दी सीख लेती है। सर क्योंकि अभी भी बाहर जाते हैं तो घर पर वो अभी भी आइसोलेशन में रहते हैं। जिससे हम लोग सुरक्षित रहें। पहले बेटियां पूछती थीं, अपने पापा के पास जाने की जिद करती थीं, लेकिन जब से हमने उन्हें समझाया है तब से वो खुद कहती हैं कि बाहर कोरोना है इसलिए पापा के पास अभी नहीं जाना है, क्योंकि पापा बाहर जाते हैं। पयस्वनी का वीडियो देख कर लोग इंटरनेट मीडिया पर ये भी कमेंट कर रहे हैं कि जब इतनी छोटी सी बच्ची इस बात को समझ गई है तो बाकी लोग क्यों नहीं समझते कि उन्हें इस समय घर पर ही रहना है।

सर्दी में आने वाला वेस्टर्न डिस्टरबेंस गर्मी में

जबलपुर। शुक्रवार को मई का एक हफ्ता बीत गया। इसके बावजूद अब तक तपिश ज्यादा नहीं हुई। सीजन में अब तक एक बार भी पारा 43 डिग्री पर नहीं पहुंचा। 30 अप्रैल को सबसे ज्यादा तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया था। इसकी वजह बताते हुए मौसम विशेषज्ञ कहते हैं कि सर्दियों में आने वाले वेस्टर्न डिस्टरबेंस का सिलसिला अभी भी

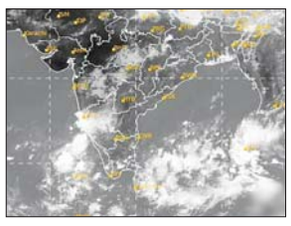

बरकरार है इस वजह से गुजरात और राजस्थान से लगातार गर्म हवा भी नहीं आ पा रही। इस वजह से तापमान नहीं बढ़ पा रहा है। इसके कारण बादल, तेज हवा और बूंदाबांदी जैसा मौसम बना हुआ है। मई में पारे का मिजाज नर्म ही बना हुआ है। एक मई को जहां यह 41.4 था वहीं 5 मई का 41.1 और 6 मई को 41 था। जबकि शुक्रवार को 40.2 रहा जो सामान्य से 1 डिसे कम था। रात कस तापमान 25.8 था। शनिवार की सुबह साढ़े आठ बजे पारा 29. 4 था। आने वाले 3 दिनों में मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है. मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि तापमान कुछ कम होगा. लेकिन 11 तारीख से गर्मी अपने तेवर फिर से दिखाएगी. जबलपुर मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग पर कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है. इसकी वजह आने वाले 4 दिनों में कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं, यह बदलाव 11 तारीख तक रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले 3 दिनों तक तापमान में तो बढ़ोतरी नहीं होगी लेकिन बारिश की वजह से आर्द्रता जाएगी, जिससे लोगों को परेशानी होगी.

हाई कोर्ट ने जिला मुख्यालयों में वकील व मुंशियों को लाकडाउन में आवागमन की छूट दी

जबलपुर, । मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में वकील और उनके क्लर्कों को लाकडाउन में आवागमन से छूट प्रदान की है। मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद रफीक व जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ ने कहा है कि लाकडाउन के दौरान आवागमन के पास के लिए संबंधित जिले के कलेक्टर या उनके द्वारा नामांकित अधिकारी के पास आवेदन करना होगा।

भोपाल निवासी अधिवक्ता सिद्धार्थ सिंह की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि हाई कोर्ट द्वारा 3 मई को जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर के वकील और उनके क्लर्कों को लाकडाउन के दौरान छूट प्रदान की गई है। लाकडाउन के दौरान भोपाल की जिला अदालत और कई ट्रिब्यूनलों में वर्चुअल सुनवाई चल रही है। इसके लिए वकीलों और उनके क्लर्कों को अपने घर से ऑफिस आना-जाना पड़ता है। आवागमन के दौरान कई बार वकीलों और उनके क्लर्कों के खिलाफ जुर्माना की कार्रवाई हो जाती है। सभी जिला मुख्यालयों के वकील और उनके क्लर्कों को राहत- याचिकाकर्ता की ओर अधिवक्ता अजय गुप्ता ने तर्क दिया कि भोपाल के अलावा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में वकीलों और उनके क्लर्कों को आवागमन से छूट दी जाना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने कहा कि जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में संबंधित हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के माध्यम से लाकडाउन में आवागमन के पास बनाने की प्रक्रिया चल रही है। भोपाल सहित प्रदेश के शेष जिला मुख्यालयों में कलेक्टर या उनके द्वारा नामांकित अधिकारी के समक्ष पास के लिए आवेदन किया जा सकता है। सुनवाई के बाद डिवीजन बैंच ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में वकील और उनके क्लर्कों को लाकडाउन में आवागमन से छूट प्रदान करते हुए कलेक्टर के समक्ष पास के लिए आवेदन देने का आदेश दिया है।

10वीं और 12 वीं प्रायोगिक परीक्षाएं आगामी आदेश तक के लिए स्थगित

जबलपुर। मप्र में 10वीं और 12 वीं प्रायोगिक परीक्षाएं आगामी आदेश तक के लिए स्थगित कर दी गई है. कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए ये परीक्षाएं स्थगित की गई हैं. मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं.जानकारी के अनुसार, मंडल ने आयोजित हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी व्यवसायिक, डिप्लोमा इन प्री-स्कूल एजुकेशन, शारीरिक शिक्षा पत्रोपाधि परीक्षाओं में शामिल होने वाले नियमित छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं 20 मई 2021 तक आयोजित करने के आदेश दिए गए थे लेकिन वर्तमान में 15 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू होने के कारण इन परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है. स्थगित प्रायोगिक परीक्षाओं के आयोजन के लिए अलग से तारीख घोषित की जाएंगी।

हर ग्रामीण को कोरोना वारियर बनने की आवश्यकता है संजय यादव

जबलपुर,बरगी नगर । सिंचाई विभाग के 20 बिस्तर के अस्पताल को कोविड सेंटर के रूप में आज बरगी विधायक संजय यादव ने औपचारिक उद्घाटन से शुरू किया द्य इस अवसर पर एसडीएम नमः शिवाय अर्जरिया ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर राजेश राज नायब तहसीलदार सुषमा धुर्वे उपस्थित रहे।डॉ राज ने बताया कि बरगी नगर अस्पताल में एक सर्व सुविधा युक्त चलित एंबुलेंस अस्पताल भी विधायक निधि से दिया गया है जो मरीजों को लाने ले जाने के काम में आ रहा है ।ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए दिन भर ओपीडी चालू रहती है तथा कोविड की चिकित्सा के लिए भी बरगी नगर में ही ऑक्सीजन युक्त बेड लगाए जा चुके हैं कल से

बरगी नगर में शुरू हुआ 20 बिस्तर का कोविड केयर सेंटर

लोगों को भर्ती कर इलाज भी मिलने लगेगा। इस अवसर विधायक संजय यादव ने विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश राज के कार्यो की तथा उनके स्टाफ की सराहना करते हुए बेहतर परिणाम लाने पर जोर दिया। विधायक यादव ने बोला कि कोविड़ 19 महामारी से निपटने के लिए शासन प्रशासन का पूरा अमला अपनी पूरी तैयारी से अपना बेस्ट देने मे लगा है लेकिन जब तक हर ग्रामीण कोरोना वारियर नही बनेगा तब तक इसमें फतह पाना मुश्किल है इसलिए हर ग्रामीण को कोरोनावारियर बनने की आवश्यक्ता है। इस अवसर पर विकास खन्ना रघु चौधरी, सच्चा प्रयास संस्था प्रमुख परवेज खान, नगर विकास प्रस्फुटन समिति बरगी नगर तथा सच्चा प्रयास नवांकुर समिति के कार्यकर्ता बबलू मंसूरी दिनेश नामदेव, दिनेश राजपूत तथा बरगी नगर तथा बरगी चिकित्सालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

न मटके बिक रहे न सुराही

कोरोना से बचने के लिए गर्म पानी पी रहे लोग

जबलपुर,यशभारत । कोरोना की दूसरी लहर में ठंडा पानी नहीं पीने की बात इस तरह लोगों के मन में घर कर गई कि गलों को ठंडक देने वाले मटकों, सुराही से भी सबने परहेज कर लिया। इसका असर यह हुआ है कि मटके और सुराही धूल खा रहे हैं। कारोबार ठप है। जबकि डॉक्टरों का कहना है मटके का पानी कोरोना मरीजों के लिए नुकसानदायक नहीं है। शहर में लॉक डाउन चल रहा है फिर भी नगर के कई क्षेत्रों में मटके,सुराही और मिट्टी की टंकी की दुकान सजाए बैठे लोग ग्राहक के इंतजार में टकटकी लगाए रहते हैं। व्यापारी बताते है कि बिक्री न के बराबर है। पिछले साल लॉकडाउन के कारण व्यापार ठप रहा। अब ठंडे पानी से परहेज के कारण लोग नहीं खरीद रहे।

मटके बिकने से ही पलता है लोगों का पेट

त्रिपुरी में ग्राहक के इंतजार में बैठे मंगल चक्रवर्ती बताते है कि कड़ी धूप में दिनभर खाली हाथ बैठे रहते हैं। पर ग्राहक ही नहीं आते हे। गढ़ा पुरवा में कई परिवारों की आजीविका का साधन ही मटके मटकियां हैं। मंगल कहते है कि सालभर लोगों का पेट गर्मी में बिकने वाले मटकों से ही पलता है। कुंभार समाज के एक व्यक्ति ने बताया हर साल हम मार्च में होली के समय मटके बनाने शुरू कर देते हैं। इस साल मटके न के बराबर बिक नहीं रहे।

जबकि डॉक्टर कहते हे कि मटके का पानी गले से होने वाली बीमारियों से बचाता है। इससे खांसी की संभावना भी कम होती है। मिट्टी का क्षारीय तत्व और पानी का तत्व मिलने से शरीर का पीएच बैलेंस सही रहता है। मटके के पानी का तापमान सामान्य होता है और इससे प्यास भी बुझ जाती है। मटके पानी से शरीर में ऊर्जा रहती है, जो इस समय सबसे जरूरी है।

कोरोना मृतकों के आश्रितों को सरकार से आपदा राशि में 5लाख की मांग-कांग्रेस

जबलपुर । प्रदेश और देश में कोरोना संक्रमण की आपदा से लगातार हो रही मौतों पर प्रत्येक मृतक के आश्रितों को सरकार द्वारा आपदा राहत राशि के रूप में ?5 लाख की आर्थिक सहायता तत्काल दी जावे। इसके साथ ही कोविड-अस्पतालों में हो रही मौतों को पॉजिटिव से नेगेटिव करने का खेल भी बंद किया जाए। उपरोक्त मांग मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने प्रदेश के महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में की है पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रदेश भर के सरकारी और गैर सरकारी कोविड-19 हॉस्पिटलों में इलाज के लिए भर्ती होने वाले पॉजिटिव मरीजों की मृत्यु प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में कोविड प्रोटोकॉल से अंतिम संस्कार करने के बावजूद उन्हें जबरन नेगेटिव घोषित किया जा रहा है। प्रदेश की सरकार देश दुनिया के सामने अपनी असफलता को छुपाने के लिए ऐसा कर रही है। सरकार की इस नीति से आपदा के दौरान मृत्यु होने पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता से वह बचने का भी प्रयास कर रही है ।

टोटल लॉक डाउन, सड़कों पर सन्नाटा

जबलपुर। कोरोना संक्रमण की नई लहर की आहट ने लोगों की नींद ही उड़ाकर रख दी है। अब लोगों को मॉस्क के साथ वैक्सीन ही संजीवनी नजर आ रही है तभी तो लोग बड़ी संख्या में सेंटरों में वैक्सीनेशन के लिए पहुंच रहे हैं। जो खबरं आ रही हैं उसके अनुसार यह तीसरी लहर एकदम जानलेवा साबित हो रही है और इससे बच पाना हर शहरी के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। प्रशासन भी इस बड़ी चुनौती से निबटने के लिए तैयार है। इसके लिए जनता कर्फ्यू जारी है।कलेक्टर कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा सतत रुप से लॉकडाउन की गतिविधियों की मॉनीटरिंग की जा रही है। साथ ही आवश्यकता अनुसार अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिये जा रहे हैं। शनिवार और रविवार टोटल लॉक डाउन के कारण बेहद सख्त सुरक्षा व्यवस्था है। चप्पे -चप्पे पर पुलिस के अधिकारी, जवान कड़ी धूप में डटे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। कोविड-19 संक्रमण की चेन तोड़ने के उद्देश्य से गृह विभाग के निर्देशों एवं जारी आदेश के तहत जिले में अब कोरोना प्रभावशील है। सम्पूर्ण जिले में कोरोना कर्फ्यू को शनिवार भी को सख्ती से पालन कराया जा रहा है कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही भी पुलिस प्रशासन की टीम के द्वारा की जा रही है। सम्पूर्ण जिले में समस्त थाना क्षेत्रों में अलग-अलग चैक प्वाइंट बनाकर अनावश्यक घूमने वालों के विरुद्ध कार्यवाही भी पुलिस की टीम कर रही है। पुलिस अधीक्षक टीम को लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होने कहा कि अनावश्यक सड़क पर घूमने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करें। प्रारंभिक तौर पर प्रतीकात्मक रुप से ही सही कोविड-19 चलित जेल में उन्हें रखा जाये। साथ ही आवश्यकता अनुरुप विधिसम्मत कार्यवाही भी पुलिस की टीम करे। जिले में सुबह से ही सभी टीम प्रभावी लॉकडाउन के लिये सक्रिय रहीं।

18+ वालों का 14 सेंटर्स में वैक्सीनेशन

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में 18+ वालों का जिले में 14 सेंटर्स में वैक्सीनेशन हो हुआ। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी सेंटर्स स्कूल, मंदिर, कम्यूनिटी हाल में बनाए गए । आज जिले में कुल 1490 लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए मैसेज भेजे गए थे। वैक्सीनेशन के लिए कोविन एप या आरोग्य सेतु पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर शत्रुघन दाहिया के मुताबिक रजिस्ट्रेशन बड़ी संख्या में लोगों ने कराए हैं। वरीयता सूची के अनुसार लोगों को वैक्सीन लगवाने का मैसेज भेजा जा रहा है। इस बार सप्ताह में कुल चार दिन ही वैक्सीन लगाने का निर्णय लिया गया है।

वैक्सीन की उपलब्धता के अनुसार बढ़ेंगे सेंटर्स

डॉक्टर दाहिया के मुताबिक वैक्सीन की उपलब्धता के अनुसार सेंटर्स घटाए-बढ़ाए जाएंगे। 15 मई तक अभी वैक्सीनेशन का निर्णय लिया गया है। इसके बाद समीक्षा कर वैक्सीन लगेगी। जबलपुर में कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत सभी सरकारी संस्थाओं में सिर्फ 4 दिन सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शनिवार को ही टीका लगेगा।

जबलपुर में 14 स्थानों पर लगा टीका , स्कूल और सामुदायिक भवन में बने हैं सेंटर्स

आज 14 स्थानों पर लगाई गई वैक्सीन

मेडिकल नर्सिंग कॉलेज, नूतन मराठी स्कूल गोलबाजार, रेलवे स्कूल परिसर, बारा पठार सरस्वती स्कूल, गुप्तेश्वर राम मंदिर, ओएफके जूनियर क्लब, एयरपोर्ट कैम्पस, मुक्तिसंस्थान बल्देवबाग, हितकारिणी स्कूल गोविंदगंज, शांति नगर रेयान स्कूल, नेमा भवन विजय नगर, कम्यूनिटी हाल वेदी नगर, सिंधी धर्मशला घंटाघर, बेला सिंह स्कूल दशमेश द्वार में वैक्सीन लगाई गई।

जिले में 51 सेंटर्स पर 45+ वालों का हो रहा वैक्सीनेशन

जिले में कुल 51 सेंटर्स पर 45 प्लस वालों का वैक्सीनेशन हो रहा है। इसमें 20 सेंटर्स ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए हैं। वहीं 31 सेंटर्स शहर में बनाए गए हैं। इन सेंटर्स में 28 पर को-वैक्सीन और शेष पर कोवीशील्ड लगाई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के 20 सेंटर्स पर कुल 4700 को वैक्सीन लगवाने बुलाया गया है। इसमें 900 का डोज कोवीशील्ड है। वहीं अन्य को को-वैक्सीन लगेगा। शहर में 23 सेंटर्स पर 5200 कोवीशील्ड और 8 सेंटर्स पर को-वैक्सीन की 2300 डोज लगनी है।

लिखित दें कि कार्ड नहीं दिखाया तभी राशि वापस

जबलपुर यशभारत। निजी अस्पतालों में सीजीएचएस लाभार्थियों से कार्ड दिखाने के बाद भी उसे न मानते हुए नगद और अधिक राशि वसूलने की शिकायत पर जांच में जब यह खुलासा हो गया कि उन्होंने नकद और ज्यादा राशि ली है।तब सीजीएचएस मुख्यालय से नकद वसूली राशि चेतावनी के साथ वापिस करने के निर्देश पर अब निजी अस्पताल अपनी गलतियों को छुपाने के लिए लाभार्थी पर दबाव बना रहा है कि उसने सीजीएचएस कार्ड नहीं दिखाया तभी राशि मिलेगी अन्यथा नहीं। इस संबंध में सी डब्ल्यू ए के अध्यक्ष सुभाष चंद्रा ने गहरी आपत्ति जताते हुए विरोध किया है।उनका कहना है कि यह सरासर झूठ है।लाभार्थी सबसे पहले कार्ड ही दिखाता है।निजी अस्पतालों द्वारा उसे सीधे अमान्य किये जाने पर मजबूरी वश पैसे जमा कराये जाते हैं।ऐसे में लाभार्थी के पास यही विकल्प बचता है अन्यथा उसे कहीं भी इलाज नहीं मिल सकता है।इसकी अनेक शिकायतें भी रही हैं।जिस पर एक अस्पताल की मान्यता भी रद्द हो चुकी है।इसी डर से अब निजी अस्पताल ऐसा दबाव बना रहे हैं।बताया गया है लाभार्थी सुशील सोनी और एच सी राय के सीजीएचएस कार्ड को अमान्य करते हुए सिटी हास्पिटल और अनंत हास्पिटल ने मनमाने ढंग से नगद पैसे लेकर कोरोना का इलाज किया था जिसकी रिपोर्ट अपर निदेशक सीजीएचएस जबलपुर को की गई थी। मामले को सेक्रेटरी स्वास्थ्य मंत्रालय दिल्ली और डायरेक्टर जनरल केंद्रीय स्वास्थ्य योजना दिल्ली को भेजा थामामले को निजी अस्पतालों द्वारा दबाने पर पुन: उच्च अधिकारियों के पास एवं संगठन के टी के दामोदरन जनरल सेक्रेटरी के पास शिकायत भेजी गयी जिस पर लाभार्थी के पुत्रों और संबंधित अस्पतालों के नोडल अधिकारियों को भी बुलाया गया। परंतु एडीशनल डायरेक्टर ने अस्पतालों के उपर कार्यवाही करने के स्थान पर इस बात पर जोर दिया कि सीजीएचएस रेट से अधिक ली गई राशि हास्पिटल लौटाए। सिटी हास्पिटल ने शर्त रखी जब लाभार्थी यह लिखकर देगा कि उसने सीजीएचएस कार्ड नही दिखाया तभी राशि लौटाई जायेगी।आरोप है कि इस सीजीएचएस जबलपुर भी निजी अस्पतालों के साथ खडा नजर आया।

शिकायत सही पाये जाने पर निजी अस्पतालों का दबाव

इस मामले मे सिटीजन वैलफेयर एसोसिएशन के सुभाष चंद्रा ने कहा कि आधी क्या पूरी लोटाने से भी अस्पतालों को एग्रीमेंट की शर्तों के उल्लंघन से मुक्त नहीं किया जा सकता। क्योंकि लाभार्थी को क्रेडिट पर इलाज देने से मान्यप्राप्त अस्पताल मना नहीं कर सकते हैं।

कोरोना संकट के बीच महंगाई की मार

जबलपुर यशभारत। सरकारी अफसर और कर्मचारी कोरोना में उलझकर रह गया है। दूसरी तरफ बाजार में तेल, दाल, शक्कर-आटा की कीमत 20 दिन में 5 से 10 रुपए किलो तक बढ़ चुकी हैं। ठीक ऐसी ही स्थिति कोरोना से सुरक्षा के काम आने वाले मास्क, सेनिटाइजर, ऑक्सीमीटर, फ्लो मीटर, वेपोराइजर की है। इनकी कीमतों में 40 फीसदी तक उछाल आ चुका है।

तुअर दाल इस समय फुटकर में 115 से 120 रुपये किलोग्राम तक मिल रही है। इसी तरह फुटकर में मूंग दाल 120 और चना दाल 90 रुपये किलोग्राम के आसपास है। दलहन उत्पादन के मामले में मध्य प्रदेश का देश में महत्वपूर्ण स्थान है। यहां से दाल पूरे देश में जाती है। तुअर (अरहर) और चना दाल की खपत भी अच्छी खासी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2019-20 में प्रदेश में तुअर का क्षेत्रफल ढाई लाख हेक्टेयर और उत्पादन तीन लाख टन के आसपास था। चना को सवा 19 लाख हेक्टेयर में बोया गया और उत्पादन 31 लाख टन हुआ। वहीं, उड़द को 17.62 लाख हेक्टेयर में बोया गया और 4.6 लाख टन उत्पादन हुआ। दलहन विकास कार्यक्रम के तहत किसानों को दलहन फसलों के लिए प्रोत्साहित भी किया गया पर उपज की कीमत सही नहीं मिल रही थी। एक अनाज कारोबारी का कहना है कि पिछले साल लाकडाउन के समय जो कीमत बढ़ी थी, वो इस बार नहीं है। अभी नई दाल की मांग रहती है लेकिन इस बार कमी है। चना दाल थोक में 70 रुपये किलोग्राम के आसपास है। तुअर दाल 120, मूंग 95 और उड़द 100 रुपये किलोग्राम के आसपास है।

फुटकर में 115-120 रुपये किलो हुई तुअर दाल

बेलगाम खाने के तेल के दाम

खाने के तेल की महंगाई अब बेलगाम हो गई है। बाजार में अब तक उम्मीद की जा रही थी कि बंगाल चुनाव के बाद केंद्र सरकार तेल के दामों पर नियंत्रण के लिए कुछ कदम उठा सकती है। हालांकि सरकार ने तेल की महंगाई पर ध्यान नहीं दिया। सोया तेल में लगी महंगाई की आग अब मूंगफली तेल पर भी असर डाल रही है। खेरची में ब्रांडेड मूंगफली तेल 200 रुपये लीटर तक बिक रहा है। स्थानीय थोक बाजार में शुक्रवार को मूंगफली तेल में भी अच्छी लेवाली से भाव में तेजी रही। मूंगफली तेलबाजार में ऊपर में 1620 रुपये तक बिक गया। दूसरी ओर सोया तेल की भारी किल्लत की वजह से सटोरियों द्वारा वायदा मार्केट में अपने सौदों का आकार बढ़ा दिया है। स्थानीय बाजार में शुक्रवार को सोयाबीन तेल 10 रुपये बढ़कर 1475-1480 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया।

प्रेमी-प्रेमिका ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

कटनी-शहडोल रेलखंड पर झलवारा व रूपौंद के बीच घटना

जबलपुर,कटनी। जबलपुर-कटनी रेलखंड पर डूंडी स्टेशन के समीप कुछ दिनों पूर्व ट्रेन के सामने कूदकर प्रेमीयुगल के द्वारा की गई आत्महत्या के मामले को अभी लोग भूले भी नहीं थे कि ऐसी एक घटना शुक्रवार की शाम कटनी-शहडोल रेलखंड के झलवारा व रूपौंद स्टेशन के बीच घटित हुई है। यहां भी एक प्रेमीयुगल के द्वारा ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस ने शवपरीक्षण कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इस संबंध में बड़वारा थाना प्रभारी रोहित डोगरे ने बताया कि बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम नंहवारा सेझा निवासी 22 वर्षीय सुनील सिंह पिता मजबूत सिंह गौड़ के गांव की ही 16-18 वर्षीय सुधा पिता राजेन्द्र कोल से प्रेम संबंध थे। दोनों आपस में शादी भी करना चाहते थे लेकिन दोनों के परिवार वालों को यह बात बिल्कुल मंजूर नहीं थी। बताया जाता है कि प्रेम प्रसंग में असफल होने के बाद दोनों ने एक साथ जान देने की योजना बनाई और अपनी इसी योजना के तहत कल शुक्रवार की शाम लगभग 7 बजे दोनों कटनी-शहडोल रेलखंड पर झलवारा व रूपौंद स्टेशन के बीच रेललाइन के किनारे जाकर बैठ गए तथा किसी भी ट्रेन के आने का इंतजार करने लगे। इसी बीच उन्हे ट्रेन आते दिखी, जिसके सामने कूदकर दोनों ने एक साथ जान दे दी। गौरतलब है कि अभी कुछ दिनों पूर्व जबलपुर-कटनी रेलखंड पर डूंडी स्टेशन के समीप ऐसी ही एक घटना में एक-दूसरे को चुनरी से बांधकर प्रेमीयुगल ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी थी।

बड़वारा पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी

गेटमैन ने दी सूचना

एक जानकारी में बताया जाता है कि ट्रेन के सामने कूदकर प्रेमीयुगल को आत्महत्या करते गेटमैन गुलाब बर्मन ने देखा और इसकी सूचना बड़वारा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रेमीयुगल के ट्रेन से कटे क्षतविक्षत शव अपने अधिकार में लेकर उन्हे पीएम के लिए बड़वारा अस्पताल भिजवाया। जहां आज पीएम के बाद दोनों के शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिए गए।

पमरे ने अप्रैल 2021 माह में तीन गुना लादान किया

1908 वैगनो पर की गई प्रतिदिन लोडिंग

जबलपुर यशभारत। कोविड-19 महामारी की विषम परिस्थितियों एवं चुनातियों का सामना करते हुए अप्रैल 2021 माह में पश्चिम मध्य रेल द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना लोडिंग का नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए सवश्रेष्ठ लोडिंग हासिल की है। पमरे में 100 से अधिक माल लादान टर्मिनल है। पश्चिम मध्य रेल पर मुख्यतः 12 सामग्रियों का माल लादान किया जाता है जिसमें 28त्न सीमेंट, 16त्न क्लिंकर, 09त्न कोयला, 14त्न खाद तथा 15त्न खाद्यान्न है जो कि मालवाहक का कुल 82त्न होता है। मार्केटिंग रणनीति के रूप में, पश्चिम मध्य रेल द्वारा मालभा?ा ग्राहकों की समस्याओं के समाधान तथा आपसी सामंजस्य बढ़ाने के उद्देश्य से नियमित रूप से ग्राहकों के साथ बैठकों का आयोजन किया जाता है। इस संबंध में सीपीआरओ राहुल जयपुरियार ने बताया किपश्चिम मध्य रेलवे ने अप्रैल 2021 में 3.78 मिलियन टन का माल लादान कर और पिछले वर्ष अप्रैल 2020 माह में 1.31 मिलियन टन माल लादान की तुलना में 200त्न अधिक माल लादान किया है। तीन गुना अधिक माल लादान पमरे ने सर्वश्रेष्ठ लोडिंग हासिल की है।पश्चिम मध्य रेल ने अप्रैल माह में औसत प्रतिदिन 1999 वैगनों की लोडिंग की है जबकि पिछले वर्ष अप्रैल माह में औसत प्रतिदिन 745 वैगनों की लोडिंग की जाती थी। पिछले वित्तिय वर्ष 2020-21 में पमरे का औसत प्रतिदिन 1908 वैगनों की लोडिंग की गयी थी। इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल ने अप्रैल 2021 माह में औसत प्रतिदिन 1999 वैगनों की लोडिंग सर्वाधिक औसत वेगन लोडिंग/प्रतिदिन का पिछले वित्तिय वर्ष की लोडिंग की तुलना में इस वित्तिय वर्ष से अप्रैल माह में ही रिकॉर्ड कायम किया। रेलवे बोर्ड द्वारा समय- समय पर माल ढुलाई में कई तरह की रियायते प्रदान की है। छोटे-छोटे व्यवसाययों के मालों का समूह बनाकर उनको ढोया तथा इसके साथ-साथढुलाई दरों में भी कमी की जिसका उत्साहवर्द्धक सुपरिणाम ये प्राप्त हुआ कि छोटे व्यवसायी भी रोड ट्रांसपोर्ट के स्थान पर रेल ट्रांसपोर्ट की तरफ आकर्षित हुए। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय एवं जबलपुर, भोपाल, कोटा मंडलों पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट की स्थापना की गई है जिनके द्वारा व्यापारियों के साथ समन्वय कर पमरे की लोडिंग को गति प्रदान की गई है। रेलवे ने माल गाड़ियों की गति में वृद्धि की जिससे माल समय पर और जल्दी पहुँचना आसान हुआ। रेलवे ने माल ढुलाई में व्यापारियों के लिए डोर टू डोर सर्विस को बढ़ावा दिया है। पश्चिम मध्य रेल ने कोविड-19 की आपदा को अवसर में बदलते हुए अपने चौतरफा सक्षमता में सुधार कार्य निष्पादन करते हुए अपनी उपयोगिता सिद्ध की है।

एक करोड़ 36 लाख का भुगतान करेगा निविदाकार

पमरे में पहला आन लाइन लीज ठेका आवंटित

जबलपुर यश भारत। देशव्यापी कोरोना संक्रमण में जब सभी शासकीय कार्य लगभग बंद हैं ऐसे समय में जबलपुर रेल मंडल ने अपना सारा काम ऑनलाइन करते हुए रेलवे में पार्सल ढुलाई हेतु लीज का ठेका एक निजी ठेकेदार को एक करोड़ 36 लाख रुपए में आवंटित करके पश्चिम मध्य रेलवे में पहली बार आपदा में अवसर के रूप में यह सराहनीय कार्य किया है। जबलपुर से लखनऊ जाने वाली ट्रेन न.05206 चित्रकूट एक्सप्रेस के फंट के चार टन क्षमता के एसएलआर कंपार्टमेंट को माल ढुलाई हेतु लीज पर देने के लिए रेलवे द्वारा 1 अप्रैल को ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई थी। इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 1 अप्रैल को अनेक लोगों द्वारा इस निविदा में आन लाइन अपने प्रस्ताव प्रेषित किए गए थे। प्राप्त प्रस्ताव में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन के निर्देश पर वाणिज्य विभाग ने निविदा के पत्रों की जांच तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही थी, तभी पूरे देश में लॉक डाउन लग गया और कार्यालय बंद हो गए ।

श्री श्रीवास्तव ने आगे बताया कि कार्यालय बंद होने के उपरांत विभाग के अधिकारियों ने घर से ही ऑनलाइन टेंडर कमेटी बनाकर इसकी रिपोर्ट बनाई और इसके सारे कागजात ऑनलाइन चेक किए तथा सभी साक्ष्य और दस्तावेज पूर्ण पाए जाने पर निविदाकार ठेकेदार को चित्रकूट एक्सप्रेस में 4 टन माल जबलपुर से लखनऊ तक एवम मार्ग के स्टेशनों के लिए ले जा सकता है। इस ठेके के एवज में निविदाकार द्वारा 5 वर्ष में जबलपुर रेल मंडल को एक करोड़ 36 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कोरोना संक्रमण काल में रेलवे अपनी आय बढ़ाने के लिए सतत प्रयत्नशील है, जिसके तहत अधिकारियों से निर्देश मिलने पर उन्होंने ऑनलाइन रहते हुए इस कार्य को प्राथमिकता से करते हुए सिर्फ एक माह के अंदर कोरोना यह ठेका आवंटित करने का कार्य पूर्ण किया जो कि पश्चिम मध्य रेलवे में पहली बार हुआ है।

शोपीस बनकर रह गए हैंडपंप

बेलखाडू /इन दिनों देश में कोरोना महामारी जेसे संकट की घड़ी है और लोग भारी समस्या से जूझ रहे हैं वही पनागर के ग्राम पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम नगना के ग्राम खैरी के रहवासी इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं ग्रामीण जनों के मुताबिक गांव में रहने वाले लगभग 50 से 60 परिवार इन दिनों पानी की भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं हैंडपंपों से पानी की जगह केवल हवा निकल रही है 15 दिनों से गांव में लगे 6 हैंडपंप जो सभी बिगड़ गए हैं जिससे गांव में भीषण जल संकट व्याप्त हो गया है ग्रामीण जनों के बताए अनुसार ग्राम पंचायत सचिव एवं सरपंच से कई बार शिकायत करने के बावजूद आज तक कोई भी सुनने वाला नहीं है जिस कारण ग्रामीण जन सुबह होते ही इस भीषण गर्मी में दूर दूर से पानी लाते हैं और अपनी प्यास बुझाते हैं ग्रामीणों ने शीघ्र हैंडपंप सुधार की मांग की है।

सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र जाप

जबलपुर। कोरोना महामारी काल में विश्व कल्याण एवं पीड़ित मानवता की रक्षार्थ हेतु शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर में सोनकर समाज द्वारा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पंडित अंकित तिवारी पंडित अमित चौबे पंडित ऋषि तिवारी पंडित रमाकांत तिवारी पंडित आलोक पाठक द्वारा सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र जाप का आयोजन किया जा रहा है।

जबलपुर के 226 ग्राम पंचायतों में नहीं पहुंचा कोरोना

सीमाएं खुद की सील, नियम तोड़ने पर जुर्माना भी

जबलपुर । जिला प्रशासन की सक्रियता व ग्रामीणों की जागरूकता से जबलपुर जिले की 516 ग्राम पंचायतों में से 226 ग्राम पंचायतों में कोरोना नही पहुँच पाया।यहां ग्रामीणों ने जनता कर्फ्यू के समय से गांव के प्रवेश द्वार तक को सील कर दिया। वे सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने का पालन सख्ती से कर रहे हैं जो नियम तोड़ता है उसके खिलाफ गांव में ही जुर्माना लगाया जाता है। इसी का नतीजा है कि इन गांवों में कोरोना के मरीज नहीं है।

जिला पंचायत कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले के जिन ग्राम पंचायतों में कोरोना पॉजिटिव केस नहीं है उनमें जबलपुर जनपद के 42,पनागर के 18,पाटन की 11,शहपुरा व कुंडम के 46- 46, सिहोरा के 29,मझौली के 34 ग्राम पंचायत शामिल है। जहां एक्टिव केस नहीं पाये गये।

कोविड से मुक्त ग्राम पंचायतों के आधार पर देखें तो जबलपुर जनपद में 15, पनागर में 10, पाटन में 12, कुंडम में 12, सिहोरा में 6 और मझौली में 14 ग्राम पंचायत कोविड मुक्त हो चुके हैं। स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की दृष्टि से जिले के संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में 670 व्यक्तियों ने कोविड को परास्त कर दिया है। जिसमें जबलपुर जनपद में 211, पनागर में 82 ,पाटन में 149, शहपुरा में 26, कुंडम में 79, सिहोरा में 77 व मझौली में 53 व्यक्ति आज की स्थिति में कोविड से स्वस्थ हो चुके हैं। जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार जबलपुर जनपद के सुकरी, धनपुरी, हरई, मगेली, सालीवाड़ा और बरगी ऐसे गांव जो कोविड मुक्त हैं।

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र 01 जून से केवल यूडीआईडी पोर्टल से ही मिलेंगे

जबलपुर, । सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने बताया है कि प्रदेश में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र 01 जून 2021 से यूडीआईडी पोर्टल http://www.swavlambancard.gov.in पर राज्य शासन द्वारा अधिसूचित सक्षम चिकित्सा प्राधिकारियों द्वारा ही प्रदान किए जाएंगे। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण, भारत सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। केन्द्र शासन द्वारा सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से कहा गया है कि आगामी एक जून 2021 से नवीन एवं नवीनीकरण सहित सभी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र केवल यूडीआईडी पोर्टल के माध्यम से नियमानुसार जारी किया जाना सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि के बाद मैन्युअल प्रक्रिया से जारी किया गया दिव्यांगता प्रमाण-पत्र अमान्य होगा।

आयुष्मान कार्डधारियों के भर्ती के लिए सभी अस्पताल आगे आयें : कलेक्टर

जबलपुर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में आयुष्मान योजना को लेकर जिले के सभी अस्पताल संचालकों के साथ बैठक संपन्न हुई। इस दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि सभी अस्पताल आयुष्मान कार्ड धारियों के लिए अपने-अपने अस्पताल में जगह आरक्षित रखें। प्राथमिकता से उनका इलाज करें। आयुष्मान में सम्मिलित सभी अस्पताल 24 घंटे के अंदर आयुष्मान कार्डधारियों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अपनायें। इससे बड़े स्तर पर गरीब लोगों को राहत मिलेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए वोटर आईडी, समग्र आईडी, 18 वर्ष से कम उम्र के हैं तो उनके पालक का राशन कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, स्कूल की आईडी से उनका रजिस्ट्रेशन करायें। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि आयुष्मान कार्ड के लिए नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित होंगे तथा जिला अस्पताल के छह डॉक्टरों का पैनल तैयार किया जाएगा जो आयुष्मान कार्ड के सरलीकरण की दिशा में कार्य करेंगे। बैठक में आयुष्मान कार्डधारियों को अपने-अपने अस्पतालों में इलाज करने के लिए सभी अस्पताल संचालक सहमति जाहिर की है। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि अस्पतालों के प्रति जो निगेविटी है उसे दूर करने का यह अच्छा अवसर है कि संस्कारधानी की संस्कृति के अनुरूप पीड़ित मानवता की सेवा करें। इलाज के प्रति पॉजिविटी का माहौल बनायें। सभी अस्पताल संचालक ने कलेक्टर शर्मा की इस पहल की सराहना करते हुए आयुष्मानकार्डधारियों का इलाज प्राथमिकता से करने को कहा। बैठक के दौरान डॉ. जामदार ने भी सभी अस्पताल संचालकों से इस दिशा में कार्य करने को कहा। वहीं डॉ. राजेश धीरावाणी ने इसे एक सराहनीय पहल बताया। मैट्रो के संचालकों ने भी आयुष्मान कार्ड के रजिस्ट्रेशन के लिए प्रचार चलाने को कहा। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि डी-मार्ट में जनसहयोग से कोविड केयर सेंटर बन रहा है जिसमें सभी सहयोग करें। आपदा में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए रेडक्रास में भी दान दें।

जबलपुर सेवा और परोपकार के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है - सांसद

जबलपुर। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा संचालित अभियान अंतर्गत सेवा कार्य में लगे हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं, वॉलेंटियर्स को कार्य सुविधा की दृष्टि से सांसद निवास में आयोजित कार्यक्रम में सांसद राकेश सिंह के द्वारा किट प्रदान की गई है जिसमे परिचय पत्र, गमछा ,कैप, टीशर्ट एवं मास्क शामिल है। जिले के चिन्हित 10 वालेंटियर को कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए सांकेतिक रूप से यह सामग्री प्रदान की गई। इस दौरान सांसद ने कहा कि जबलपुर हमेशा से सेवा और परोपकार कार्य में अग्रणी रहा है। कोरोना के फर्स्ट फेज में भी जिले के स्वयं सेवी संगठनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक धार्मिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों ने पूरी लगन और निष्ठा के साथ सेवा के प्रत्येक क्षेत्र जैसे लॉक?ाऊन में भोजन व्यवस्था, खाद्य सामग्री, चिकित्सा सुविधा, दान तथा अन्य माध्यमों से अपना भरपूर योगदान देकर शासन के प्रयासों में सहयोग किया था जिसके कारण हम इस वैश्विक महामारी के नियंत्रण में सफल रहे थे। मेरा पुनः सभी स्वैच्छिक संगठनों, सामाजिक धार्मिक संगठनों के साथ ही सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहे जन समुदाय के साथ ही अभियान से जुड़े सभी वालेंटियर से आग्रह है कि आप सभी के संकल्प, सहयोग और सेवा से हम पुनःइस महामारी पर विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करेंगे। शासन का कोई भी अभियान बिना जनसहयोग और जन भागीदारी के सफल नहीं हो सकता है।

विधायक अजय विश्नोई की अपील पर सहयोग के लिए आगे आ रहे लोग

पाटन। पाटन में बन रहे ऑक्सीजन सपोर्टेड बीस बिस्तरों के कोविड केयर सेंटर के लिए क्षेत्रीय विधायक अजय विश्नोई की अपील पर कई संस्थायें और नागरिक सहयोग के लिए आगे आ रहे है। तहसीलदार पाटन प्रमोद चतुर्वेदी के अनुसार आज शुक्रवार को राम जानकी मंदिर ट्रस्ट के हुमेन्द्र यादव (हिम्मू यादव), एवं राजेश्वर पटेल द्वारा 5 लाख, खैरी मंदिर ट्रस्ट के सर्वहकर जगेन्द्र सिंह द्वारा 1-1 लाख के दो चैक स्वास्तिक अस्पताल के संचालक अशोक साहू द्वारा ऑक्सीजन कंसट्रेटर कीमत 1 लाख रुपये तथा राहुल महाजन (पत्रकार) द्वारा 5 जम्बो ऑक्सीजन सिलेंडर कीमत लगभग 1 लाख रुपये रोगी कल्याण समिति पाटन को प्रदान किये गये। तहसीलदार पाटन ने बताया कि विधायक अजय विश्नोई ने सभी दान दाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि कटंगी में जल्द 10 ऑक्सीजन सपोर्ट विस्तर का कोविड सेन्टर प्रारंभ किया जा ताकि क्षेत्र के लोगो को बेहतर इलाज मिल सके।

75 लाख किसानों के खाते में जमा हुए 15 सौ करोड़

जबलपुर,। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में किसान मित्र सरकार है। किसान की फसल के एक-एक दाने का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन और ऋण वापसी की अंतिम तिथियाँ बढ़ा दी गई हैं। किसान को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने किसानों और किसान संगठनों से अपील की है कि कोरोना के विरुद्ध चल रही लड़ाई में सहयोग करें। संक्रामक रोग होने के कारण सरकार अकेले दम पर नहीं जीत सकती। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज 75 लाख किसानों के बैंक खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 1500 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से जमा कर वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा किसानों को मुख्यमंत्री निवास से संबोधित कर रहे थे।

सूखे कुएं से महिला व बालक का शव बरामद

शिनाख्त नहीं, पुलिस जांच में जुटी, विजयराघवगढ़ के हरदुआ में सनसनी

कटनी । विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम हरदुआ से लगे खेतों में स्थित एक सूखे कुएं में एक महिला व एक बालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। समाचार लिखे जाने के तक दोनों की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस मर्ग कायम कर मृतकों के शिनाख्तगी के प्रयास में लगी थी। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम हरदुआ से लगे सुखीलाल यादव के खेत में स्थित कुआं सूख गया है। कुएं से तेज दुर्गंध आने पर आज सुबह ग्रामीणों ने झांक कर देखा तो कुएं के अंदर सलवार सूट पहने एक महिला का सड़ागला शव दिखाई दिया तथा महिला के समीप ही एक बोरी पड़ी थी। जिसमें भी मक्खियां भिनक रही थी। सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से महिला के शव और बोरी को बाहर निकलवाया तो बोरी के अंदर एक बालक की लाश मिली। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर के मुताबिक दोनों आपस में मां-बेटे समझ में आ रहे हैं लेकिन स्पष्ट शिनाख्त होने के बाद ही होगा। पुलिस ने दोनों की शिनाख्तगी के प्रयास शुरू किए लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।

हत्या का संदेह

सूखे कुएं के अंदर जिस प्रकार से महिला का शव और बोरी में बंद बालक का शव मिला है। उससे यह मामला हत्या का ही लग रहा है। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है तथा सबसे पहले मृतकों की शिनाख्तगी के प्रयास किए जा रहे हैं। शिनाख्त होने के बाद पुलिस को मामले की गुत्थी सुलझाने में आसानी होगी।

संपादकीय

फ्रंटलाइन वर्कर का मानसिक स्वास्थ्य भी देखें

एक साल से अधिक हो गया है, हमारे डॉक्टर, नर्स व अन्य स्वास्थ्य कर्मी लगातार कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं, वह भी सीमित संसाधनों में। एक ऐसी बीमारी के खिलाफ जिसका अब तक कोई कारगर इलाज नहीं है। पहली बार किसी ऐसी बीमारी से जूझना पड़ रहा है, जिसके उपचार के लिये देश में कोई कारगर रणनीति नहीं बन पायी। शुरुआत में हमने उन पर फूल भी बरसाये और ताली-थाली भी बजायी। उन्हें कोरोना योद्धा की संज्ञा भी दी। लेकिन धीरे-धीरे बढ़ता रोग का दायरा उनकी मुश्किलें बढ़ाता गया। सितंबर तक ऊंचाई चढ़ने के बाद कोरोना संक्रमण में गिरावट के बाद इस बिरादरी ने चैन की सांस ली थी कि महामारी को हमने हरा दिया। लेकिन कोविड-19 के बदले वेरिएंट ने देश में जो कहर बरपाया है, उसने चिकित्सकों व अन्य कर्मियों की मुसीबतों को चरम पर पहुंचा दिया। तेज संक्रमण और धड़ाधड़ बीमार पड़ते लोगों से अस्पताल पट गये। अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड नहीं हैं, वेंटिलेटर नहीं हैं और सहायक दवाइयों का भारी अभाव है। जो संपन्न हैं, वे दोनों हाथों से लूट रहे निजी अस्पतालों की ओर उन्मुख हुए। गरीब और मध्य वर्ग सरकारी अस्पतालों के भरोसे लाचार हैं। जहां चिकित्सा साधनों का लगातार टोटा बना हुआ है। देश के सत्ताधीशों की नाक के नीचे बिना ऑक्सीजन के मरते लोगों की खबरें रोज आंकड़ा बढ़ा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट ऑक्सीजन की कमी से होने वाली मौतों को अपराध की संज्ञा दे रहे हैं। कोर्ट की बार-बार की जा रही टिप्पणियों के बावजूद सत्ताधीश मौन बने हुए हैं। इस संकट का सबसे बड़ा पहलू यह है कि लोगों की मौतों का गुस्सा डॉक्टरों व चिकित्सा स्टॉफ को झेलना पड़ रहा है। हालांकि, आपदा काल के कानून लागू हैं लेकिन डॉक्टरों को लगातार धमकाया जा रहा है और मारपीट तक की जा रही है। अपनी जान जोखिम में डालकर इलाज करने वाली बिरादरी इन हमलों से आहत है। कोविड-19 की दूसरी लहर के सामने चिकित्सा सुविधाएं बौनी पड़ गई हैं। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन व दवा की किल्लत तो है ही, साथ ही चिकित्सकों, नर्स तथा अन्य कर्मचारियों की भी कमी हो गई है। संक्रमण की भयावह स्थितियों में बढ़ते मौत के आंकड़े और उन्हें न बचा पाने की टीस के साथ चिकित्सा बिरादरी काम में जुटी है। वे भारी मानसिक तनाव में काम कर रहे हैं। वे संक्रमण के भय से अपने परिवार से?भी सामान्य ढंग से नहीं मिल पाते। उनके घरों में बुजुर्ग व बच्चों को संक्रमण से मुक्त रखना उनकी बड़ी चिंता है। कोरोना के उपचार में लगे डॉक्टरों व नर्सों के साथ पड़ोसियों द्वारा अभद्रता की विचलित करने वाली खबरें भी आई हैं। बड़ी संक्रमित आबादी के लिये पर्याप्त चिकित्सा व चिकित्सक न होने पर दिल्ली, बिहार समेत देश के कई भागों में डीआरडीओ द्वारा तैयार कोविड अस्पतालों की बागडोर सेना को सौंपी गई है। जहां कोविड प्रोटोकॉल के साथ मरीजों को राहत दी जा रही है। लेकिन सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे फ्रंटलाइन वर्करों की शारीरिक व मानसिक परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस दौरान देश में एक हजार के करीब चिकित्सकों ने कोरोना संक्रमण से जान गंवाई है। चिकित्सक भी संक्रमण के भय के बीच मरीजों को संभव इलाज देने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों वैक्सीन लगने के बाद भी दिल्ली व लखनऊ में बड़ी संख्या में डॉक्टरों के संक्रमित होने के समाचार आये हैं। अस्पतालों में मौतों का अंतहीन सिलसिला उन्हें अवसाद व विवशता से भर देता है। ऐसे में फ्रंटलाइन वर्कर्स का मनोबल बढ़ाने और उन्हें अवसाद से बचाने की जरूरत है। चौबीसो घंटे महामारी की त्रासदी से जूझना उनकी नियति बन चुकी है। जरूरी है कि एक ऐसा मेडिकल कार्यबल बनाया जाये जो चिंता, अनिद्रा, अवसाद व हताशा से जूझ रही चिकित्सा बिरादरी को राहत दे सके। यह वक्त देश के चिकित्सा ढांचे में आमूलचूल बदलाव और चिकित्सा कर्मियों की सेवा शर्तों में सम्मानजनक वृद्धि करने का है।

महामारी के खिलाफ बेदम स्वास्थ्य तंत्र

लगभग 13 महीने हो गए, मैं और मेरा परिवार घर तक सीमित होकर रह गए हैं। हम वही इस्तेमाल कर रहे हैं जो डिलीवरीमैन दरवाजे तक पहुंचा देते हैं और भुगतान ऑनलाइन करते हैं। इस्तेमाल करने से पहले हम प्रत्येक पदार्थ-वस्तु को धोते या सैनिटाइज़ करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि अब हमारे पास कोई घरेलू नौकर नहीं है। इसकी बजाय हमने डिशवॉशर, कपड़े धोने-सुखाने की मशीन और फर्श साफ करने वाला रोबो खरीद लिया है, जिसे स्मार्टफोन एप्लीकेशन से चलाया जा सकता है।

इसलिए अब एक साल से ज्यादा समय से हमारा बाहरी दुनिया से संपर्क लगभग न के बराबर है। यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि मेरी पत्नी और मैं अपना सारा काम घर बैठे कर सकते हैं। यह इसलिए भी हो सका है क्योंकि वक्त-बेवक्त की जरूरत के लिए हमारे पास पर्याप्त बचत भी है। इस आर्थिक सुरक्षा के बल पर मैं घर से बाहर जाकर नयी नौकरी करने या पैसे के बदले व्याख्यान देने की पेशकश ठुकराने का साहस कर पाया हूं।

परंतु ऐसी विलासिता देश के 99 प्रतिशत लोगों को नसीब नहीं है, यहां तक कि चोटी के इस 1 फीसदी वर्ग में भी अधिकांश लोग कोरोना वायरस से बचने के लिए घर पर बैठना गवारा नहीं कर सकते। आज यदि उनके दफ्तर-कार्यस्थल खुल जाएं तो वे काम पर जाना ज्यादा पसंद करेंगे। अन्य भी अपने कारखानों, दुकानों, रेस्तरां और डीलरशिप अदारों की ओर दौड़ लगा लेंगे। केवल वही लोग सफलतापूर्वक एकांत में रह सकते हैं जो बहुत ज्यादा अमीर हैं। हमने देखा है कि संक्रमण की गुंजाइश से बचने को कुछ अति धनाढ्य कॉर्पोरेट मालिकों ने मानो अपने परिवार और कर्मचारियों के इर्द-गिर्द 'सुरक्षा बुलबुला' बना लिया है ताकि कुछ भी अंदर न आने पाए। कुछ वे हैं जो शहरों से दूर अपने फार्महाउसों में जाकर रहने लगे हैं, तो चंद ऐसे भी हैं जो निजी हवाई जहाजों से विदेश चले गए हैं। इनके अलावा वे लोग जो काफी समृद्ध हैं, उन्हें भी कहीं न कहीं संक्रमण का जोखिम उठाना ही पड़ता है। और यही वह अवस्था है जब सुरक्षा का सारा गणित गड़बड़ा जाता है। हाल तक भारत में समृद्ध वर्ग को यकीन था कि अगर उन्हें कोविड हो भी गया तो उनके पास पर्याप्त पैसा और संपर्क है, जिसके बल पर वे अस्पतालों में नवीनतम उपकरणों से लैस अलग कमरा ले पाएंगे, जहां प्रत्येक मंजिल पर कई नर्सें और विशेषज्ञ चिकित्सक एक पुकार पर दौड़े आने को तत्पर होते हैं। पैसे वालों ने मेडिकल बीमा पैकेज लेने पर काफी खर्च किया होता है, क्योंकि वे जानते हैं कि भारत में अच्छी स्वास्थ्य सेवा कितनी महंगी पड़ती है।

लेकिन बाकी आम जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का क्या पुरसा हाल है, इस पर हमने कभी ध्यान देना गवारा नहीं किया। भले ही कॉकटेल पार्टियों में मंहगी शराब की चुस्कियां लेता आला वर्ग कभी-कभार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बहुत कम रखे गए सरकारी बजट को लेकर चिंता जताता दिखाई दे, लेकिन वास्तव में वह कभी इस ओर ध्यान नहीं देता कि हर साल कितने लोग उन बीमारियों से मर जाते हैं, जिन्हें पर्याप्त इलाज से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। वे अभागे इसलिए मरते हैं क्योंकि उन्हें न तो डॉक्टर नसीब होता है, न ही महंगी दवा खरीदने लायक हैसियत होती है या फिर अस्पताल का बिस्तर तक नसीब नहीं हो पाता।

हकीकत इन आंकड़ों से जाहिर होती है। भारत की कुल 138 करोड़ जनसंख्या के पीछे लगभग 12 लाख पंजीकृत डॉक्टर हैं, अर्थात प्रत्येक 1150 लोगों के लिए एक डॉक्टर। यह अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित सोपान के काफी नजदीक है, जिसमें 1000 लोगों पर 1 डॉक्टर होना अच्छा मानक है। तथापि भारत में अधिकांश डॉक्टर निजी अस्पतालों में काम करते हैं, जो अधिकतर शहरों और कस्बों में केंद्रित हैं। जब बात गरीब की आए, जिसे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की जरूरत है, तो हमारा अनुपात प्रति 12500 व्यक्ति पर केवल 1 डॉक्टर वाला है।

अध्ययन बताते हैं कि 39 फीसदी भारतीयों को मृत्यु से पहले किसी तरह की स्वास्थ्य सुविधा नसीब नहीं हो पाती। अधिकांश के घर के पास या तो चिकित्सक नहीं है या फिर उनके पास फीस भरने लायक पैसे नहीं हैं। जब हालात बहुत बिगड़ जाते हैं तब गरीब को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है, अपना गांव छोड़कर अस्पताल के बाहर खुले में रहना पड़ता है। वहां दलाल डॉक्टरों से मिलवाने और फॉर्म भरने तक के पैसे झाड़ लेते हैं। अस्पताल की फार्मेसी पर यह दृश्य आम है कि अनपढ़ व्यक्ति दवा का पर्चा पढ़ने को औरों की मदद लेते हैं। ज्यादातर को छोटे निजी अस्पतालों से इलाज पूरा होने से पहले इसलिए निकाल बाहर किया जाता है, क्योंकि पैसा खत्म हो चुका होता है।

तथ्य तो यह है कि उपचार के लिए उठाया ऋण भारत में कर्जई होने की सबसे बड़ी वजहों में से एक है। वर्ष 2019 का एक अध्ययन बताता है कि मेडिकल-ऋण की वजह से 5.5 करोड़ लोग गरीब श्रेणी में धंस गए। यह ऐसा व्यवस्थात्मक विषय है, जिसे एक के बाद एक आई सरकारों ने नज़रअंदाज़ किया है। 1990 के दशक से, हमारी आधिकारिक नीति स्वास्थ्य सेवाओं में निजी क्षेत्र द्वारा पैसा लगाने को बढ़ावा देने की रही है, जिसका खमियाजा आम जनता को अपनी जेब कटवाकर भरना पड़ रहा है। लगभग सभी निजी अस्पताल बड़े शहरों में केंद्रित हैं।

निजी अस्पतालों के साथ-साथ स्वास्थ्य बीमा उद्योग भी फलाफूला है। तर्क यह दिया जाता है कि बजाय सरकार नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करे, जनता बतौर एक उपभोक्ता वर्ग, वार्षिक प्रीमियम भरकर इसे अपने लिए सुनिश्चित करे। सच्चाई यह है कि मोदी सरकार ने सरकारी धन से स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा सुधारने की बजाय स्वास्थ्य बीमा उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

इसमें कोई शक नहीं कि आज शहरी मध्य वर्ग की स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच 30 साल पहले के मुकाबले कहीं बेहतर है। स्कैन, एमआरआई और अनेकानेक टेस्ट करवाना बेहद आसान बन गया है। पिछले समय की बनिस्पत जटिल चिकित्सा सुविधा अब ज्यादा अस्पतालों में उपलब्ध है। भारत के नामी अस्पताल और सर्जन विश्व के सर्वोत्कृष्ट और नवीनतम उपकरणों से लैस हैं, जिससे वे मरीजों का जीवनदायिनी इलाज करने में सक्षम हैं। लेकिन कोई भी यह मानने को तैयार नहीं है कि कोविड के इलाज के लिए हरेक को महंगे इलाज की जरूरत नहीं है। तमाम चोटी के डॉक्टर सहमत हैं कि कोविड का इलाज केवल कुछेक सस्ते इलाज विकल्पों से घर पर ही किया जा सकता है। पहला है, पैरासिटामोल की गोली से बुखार पर नियंत्रण रखना। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण अवयव है ऑक्सीजन। तीसरा, बहुत कम कीमत वाला स्टीरॉयड डेक्सामिथासोन, जो उन लोगों को दिया जाता है जो पहले से ऑक्सीजन पर हैं। चौथा, खून पतला करने वाली गोली, जो भारत में आम उपलब्ध है। अंत में आती है रेमडेसिवीर, कुछ मामलों में यह अस्पताल में भर्ती होने की अवधि घटा सकती है।

कोविड महामारी ने हमें बता दिया है कि देश को जिस चीज़ की जरूरत है, वह है सबके लिए सरकारी पैसे से मिलने वाला सस्ता इलाज। इंतजामों में चाहिए तो ऑक्सीजन सुविधा वाले बड़े अस्पताल और अच्छी तनख्वाह पाने वाले डॉक्टर जो यह बखूबी जानते हों कि किस मरीज को कौन -सी देखभाल की, कब जरूरत है। उक्त स्वास्थ्य सुविधाओं की अनुपस्थिति, हमारे समक्ष बनी मौजूदा त्रासदी का बड़ा कारण है। यह समय भारत की नीति और दिशा को काफी हद तक प्रभावित करने वाले समृद्ध मध्य वर्ग के लिए जाग्रत होने का है कि मेडिकल बीमा कितना भी करवा रखा हो या उच्चस्तरीय उपकरण हों, केवल इनके दम पर संकट से नहीं निपटा जा सकता, जब तक बाकी बहुसंख्यक समाज स्वस्थ न रहे।

ऑनिन्दयो चक्रवर्ती
लेखक आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक हैं।

आपका राशिफल 09 मई

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष
इ ऊ ए ओ वा वी वू वे वो

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-7-9

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

फिल्म वर्ग पहेली - 5429

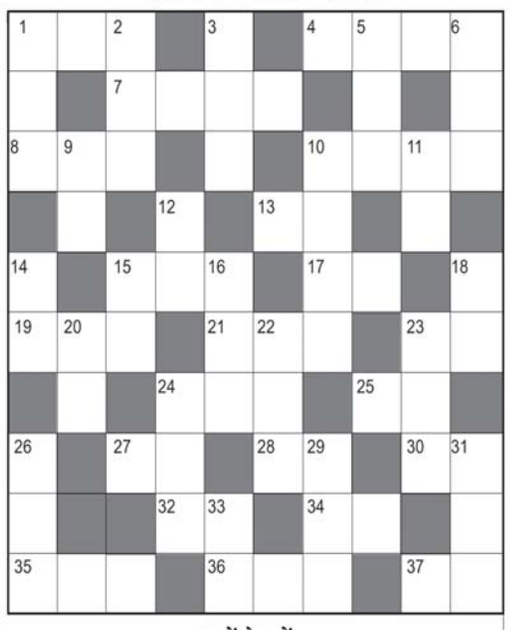

ऊपर से नीचे:-
१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शोशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-
१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्साॅप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5428

अ	नि	ता	■	जो	र	■	बे	ना	म
नु	■	रा	का	■	वी	र	ता	■	म
म	दं	■	श	बा	ना	■	ब	बी	ता
लि	■	ता	■	बू	■	सु	■	ना	■
क	भी	क	भी	■	सु	हा	ग	रा	त
■	गी	त	■	चि	त्र	ग	■	य	■
गो	रा	■	शा	■	ग	■	चि	■	हं
■	त	क	दी	र	■	इं	त	का	म
ज	■	री	■	त	ब्बू	■	चो	■	रा
या	र	ना	■	न	■	अ	र	बा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

केरल के इस मंदिर की रखवाली करता है शाकाहारी मगर

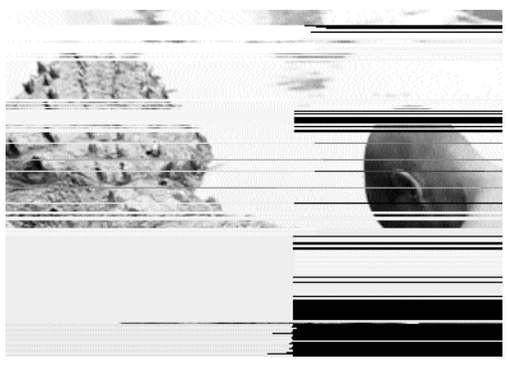

केरल में एक मंदिर है अनंतपुर। यह कासरगोड में स्थित है। मान्यता है कि यहां की रखवाली एक मगरमच्छ करता है। बबिआ नाम के मगरमच्छ के कारण लोकप्रिय इस मंदिर के बारे में यह कहा जाता है कि यदि इस झील के एक मगरमच्छ की मृत्यु होती है तो रहस्यमय ढंग से दूसरा मगरमच्छ प्रकट हो जाता है। यह केरल का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो झील के किनारे है।

नहीं बदलता है पानी का स्तर

स्थानीय लोगों का कहना है कि कितनी भी ज्यादा या कम बारिश होने पर झील के पानी का स्तर हमेशा एक-सा रहता है। यह मगरमच्छ अनंतपुर मंदिर की झील में करीब 60 सालों से रह रहा है। भगवान की पूजा के बाद भक्तों द्वारा च?ाया गया प्रसाद बबिआ को खिलाया जाता है। प्रसाद खिलाने की अनुमति सिर्फ मंदिर प्रबंधन के लोगों को है। माना जाता है कि यह मगरमच्छ पूरी तरह शाकाहारी है और प्रसाद इसके मुंह में डालकर खिलाया जाता है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि चूंकि मगरमच्छ शाकाहारी है इसलिए वह झील के अन्य जीवों को नुकसान नहीं पहुंचाता।

अशुभ की सूचना देता है मगरमच्छ

कहते हैं कि 1945 में एक अंग्रेज सिपाही ने तालाब में मगरमच्छ को गोली मारी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगले ही दिन वह मगरमच्छ झील में तैरता मिला। कुछ ही दिनों बाद अंग्रेज सिपाही की सांप के काट लेने से मौत हो गई। लोग इसे सांपों के देवता अनंत का बदला मानते हैं।

ऐसा माना जाता है कि सिर्फ भाग्यशाली श्रद्धालुओं को ही मगरमच्छ के दर्शन हो जाते हैं। मंदिर के ट्रस्टी श्री रामचन्द्र भट्ट जी कहते हैं, हमारा दृढ़ विश्वास है कि ये मगरमच्छ ईश्वर का दूत है और जब भी मंदिर प्रांगण में या उसके आसपास कुछ भी अनुचित होने जा रहा होता है तो यह मगरमच्छ हमें सूचित कर देता है।

औषधियों से बनी मूर्तियां

कहा जाता है कि कभी इस मंदिर की मूर्तियां धातु या पत्थर की नहीं बल्कि 70 से ज्यादा औषधियों से बनी थीं। इस प्रकार की मूर्तियों को कादु शर्करा योगं के नाम से जाना जाता है। हालांकि, 1972 में इन मूर्तियों को पंचलौह धातु की मूर्तियों से बदल दिया गया था, लेकिन अब इन्हें दोबारा कादु शर्करा योगं के रूप में बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

यह मंदिर तिरुअनंतपुरम के अनंत-पद्मनाभस्वामी का मूल स्थान है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि भगवान यहीं आकर स्थापित हुए थे। मान्यता है कि झील में एक मगरमच्छ की उपस्थिति हमेशा बनी रहती है। अगर एक का जीवन पूरा होता है तो दूसरा प्रकट हो जाता है।

सूडोकु नवताल- 5949

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5948 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

विचार प्रवाह

आदमी तो वैसा ही है जैसा तुम्हारा टीवी। टीवी पर सब चैनल उपलब्ध हैं। सिर्फ रिमोट का बटन दबाने की देर है। जो चैनल तुम्हें देखना है उसका नंबर दबा दीजिए। चैनल हाजिर। जिंदगी भी एक टीवी है जिस पर पुण्य का चैनल भी उपलब्ध है और पाप का भी। भाव बदलते ही एक क्षण में चैनल भी बदल जाता है। पुण्य से पाप और पाप से पुण्य के चैनल पर आने में वक्त नहीं लगता। जिंदगी की टीवी पर आस्था और संस्कार का चैनल लगे तो चैन ही चैन रहे। ■ **मुनिश्री तरुणसागर**

शब्द पहेली - 7011

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ
1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे
1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7010 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	ग	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	घ	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
व	र	■	त	र	फ	■	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपाल में पात्र लोगों को तुरंत बनाकर देंगे आयुष्मान कार्ड 109 अस्पतालों में योजना के तहत इलाज देने की तैयारी

भोपाल। आयुष्मान कार्ड धारी कोविड मरीजों का इलाज निश?ुल्क किया जाए, इसके लिए मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना से उसको लिंक किया गया है। भोपाल शहर के सभी 109 अस्पतालों में आयुष्मान मित्र डेस्क बनाई जाएगी और जो भी कोरोना संक्रमित मरीज अस्पताल में इलाज कराने आ रहा है, सबसे पहले उसका आयुष्मान कार्ड देखा जाएगा। यदि उसके पास कार्ड नहीं है और वो योजना के लिए पात्र है तो उसका तुरंत कार्ड बनाया जाएगा और मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के तहत उसे भर्ती किया जाएगा। इसके साथ ही सभी अस्पतालों में एक अलग डेस्क बनाई जाएगी, जिसमें आयुष्मान मित्र के नाम से एक शासकीय और एक निजी अस्पताल का व्यक्ति उपस्थित रहेगा। इनके द्वारा कोई भी व्यक्ति जो इलाज के लिए आ रहा है सबसे पहले यह चेक किया जाएगा कि उसके पास आयुष्मान कार्ड है कि नहीं और यदि आयुष्मान कार्ड धारक नहीं है और योजना के लिए पात्र है तो उसका तुरंत कार्ड बनाकर उसको एडमिट किया जाएगा और इसके साथ ही उसको उस योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके साथ ही सभी अस्पतालों के लिए अलग से नोडल अधिकारी भी बनाए गए हैं, जो संबंधित अस्पतालों से निरंतर संपर्क में रहेंगे और यह निर्धारित करेंगे किसी व्यक्ति से आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीज से अतिरिक्त कोई बिल तो नहीं किया जा रहा है। इसकी सतत मॉनिटरिंग की जाएगी और इसके लिए अलग सेल बनाकर लगातार संबंधित मरीजों को की एंट्री भी की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर अविनाश लावनिया ने सभी कोविड उपचार में लगे अस्पतालों के संचालकों को दिए है। यहां पर यह बता दें वर्तमान में शहर के 66 अस्पताल ही आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत है। अब जिला प्रशासन की 109 अस?पतालों में इस योजना के तहत इलाज देने की तैयारी है। सभी अस्पतालों संचालक और उनके प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को कलेक्टर ने पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक ली। बैठक में डीआइजी इरशाद वली, नगर निगम कमिश्नर कोलसानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य अस्पतालों के संचालक और उनके प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि भोपाल में वर्तमान में केवल 66 हॉस्पिटल ही आयुष्मान भारत के अंतर्गत पंजीकृत हैं शेष अस्पतालों को पंजीकृत करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ऐसा व्यक्ति जो योजना के लिए पात्र है। उसको मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना का लाभ दिया जाए। मरीज का इलाज मुख्यमंत्री उपचार योजना के अंतर्गत निश?ुल्क किया जाएगा। इसके लिए समस्त पैकेज शासन द्वारा निर्धारित कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त कोई अन्य चार्ज नहीं लिया जाएगा।

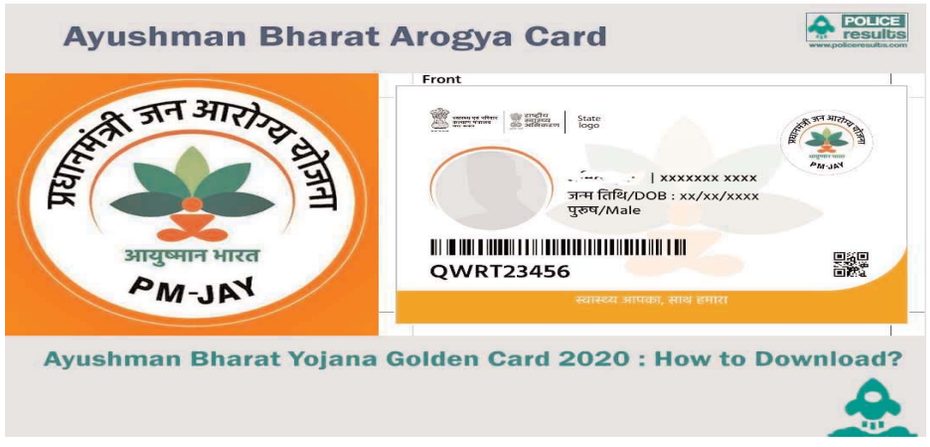

रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने पर 21 लोगों के खिलाफ रासुका

भोपाल। कोरोना के इलाज के लिए महत्वपूर्ण रेमडेसिविर इंजेक्शन और ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त हो गई है। ऐसे 21 लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है। इनमें से 20 रेमडेसिविर और एक ऑक्सीजन की कालाबाजारी करता पकड़ा गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि रेमडेसिविर की कालाबाजारी पर इंदौर जिले में नौ, उज्जैन जिले में आठ, जबलपुर जिले में दो और ग्वालियर जिले में एक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं, ऑक्सीजन की कालाबाजारी पर सतना के एक व्यक्ति पर रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। कोरोना मरीजों से अधिक शुल्क वसूलने पर 61 स्वास्थ्य संस्थाओं और व्यक्तियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है।

61 स्वास्थ्य संस्थाओं और व्यक्तियों पर कार्रवाई

इनसे सात लाख 34 हजार रुपये की राशि मरीजों के स्वजन को वापस दिलाई गई है। इनमें से दो संस्थाओं का लाइसेंस निरस्त किया गया है तथा 22 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। चिकित्सा शिक्षा विश्वास सारंग ने बताया कि भोपाल के नौ, इंदौर के 20 और ग्वालियर के 18 अस्पताल पर कार्रवाई की गई है।

थोक में सौ और फुटकर में 140 रुपये किलो हुई तुअर दाल

भोपाल। कोरोना संकट के बीच जनता पर महंगाई की मार भी पड़ रही है। थोक में तुअर दाल इस समय सौ रुपये किलोग्राम तक पहुंच गई है तो फुटकर में यह 140 रुपये किलोग्राम तक मिल रही है। इसी तरह मूंग थोक में 95 रुपये किलोग्राम है तो चना दाल के भाव 70 रुपये किलोग्राम है। फुटकर में मूंग दाल 120 और चना दाल 90 रुपये किलोग्राम के आसपास है। दालों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मांग और आपूर्ति पर नजर रख रहा है। आकलन करने के बाद केंद्र सरकार के फीडबैक के आधार पर कदम उठाए जाएंगे। वहीं, कृषि मंत्री कमल पटेल का कहना है कि अभी तक मुनाफा सिर्फ बिचौलिए कमाते थे। पहली बार गेहूं के साथ चना, मसूर और उड़द की खरीद करके किसानों को समर्थन मूल्य दिलाया गया है।

आज भोपाल में 44 साल से ऊपर वालों को 47 और 18 से ज्यादा वालों को 22 केंद्रों पर लगेगा टीका

भोपाल। राजधानी भोपाल में शनिवार को 18- 44 साल तक के लोगों का टीकाकरण करने के लिए कुल 22 केंद्र बनाए गए हैं। हर केंद्र पर 100 हितग्राहियों को टीका लगाया जाएगा। इस उम्र वर्ग में सिर्फ उन्हीं लोगों को कोरोना का टीका लगेगा, जो पहले से कोविन पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग कर चुके हैं। उन्हें टीकाकरण केंद्र पर वह परिचय पत्र भी लेकर जाना होगा, जिसके आधार पर पंजीयन किया है। साथ ही पंजीयन का मैसेज भी दिखाना पड़ेगा। बता दें कि गुरुवार को भोपाल में सिर्फ दो केंद्रों पर ही 18 से 44 साल वालों का टीकाकरण हुआ था। हितग्राहियों की सुविधा के लिए 44 साल से ऊपर के लोगों 47 केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्र सरकारी और निजी स्कूलों, सामुदायिक भवनों में बनाए गए हैं। अस्पतालों में केंद्र बनाने से टीका लगवाने वालों को कोरोना संक्रमण का खतरा था, इसलिए केंद्र बदले गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल के वैक्सीन स्टोर में 18 से 44 साल तक के लोगों के लिए 14,700 कोवैक्सीन के डोज उपलब्ध हैं। 44 साल से ऊपर वालों के लिए 20 हजार कोवैक्सीन और 15 हजार कोविशील्ड के डोज भी उपलब्ध हैं।

पहले ही बुक हो गए ज्यादातर स्लॉट

18 से 44 साल तक के लोगों को टीका लगवाने के लिए ज्यादातर स्लॉट की बुकिंग 4 मई को ही हो चुकी थी। शुक्रवार को रेलवे सामुदायिक भवन को छोड़कर बाकी तीन से चार केंद्रों में ही 2 से 10 के बीच स्लॉट खोले गए थे। हालांकि स्लॉट बुकिंग के लिए ओटीपी गुरुवार शाम को कई प्रयास के बाद भी नहीं आया। इस वजह से कई हितग्राही पंजीयन ही नहीं कर पाए।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी मध्य प्रदेश को ऑक्सीजन उत्पादन में बना रहे आत्मनिर्भर

भोपाल। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच प्रदेश सरकार ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भर की दिशा में जुट गई है। प्रदेश में अब तक कुल 94 ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से कुछ ने काम करना प्रारंभ कर दिया है। बाकी संयंत्रों का निर्माण कार्य तेजी के साथ कराया जा रहा है। स्वीकृत ऑक्सीजन प्लांट में से 74 जिलों में तथा 20 प्लांट विभिन्न् तहसीलों में लगाए जा रहे हैं। कार्ययोजना इस प्रकार बनाई गई है कि हर जिले में उसकी आवश्यकता की ऑक्सीजन की आपूर्ति हो जाए। प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण कार्य देख रहे लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव का कहना है कि कोरोना संक्रमण के दौरान जिस तरह से ऑक्सीजन की कमी सामने आई, उसे देखते हुए सरकार ने आत्मनिर्भर होने की रणनीति बनाई है। निजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निवेश प्रोत्साहन नीति में प्रविधान करके 50 फीसद अनुदान देने का निर्णय लिया है जो अधिकतम 75 करोड़ रुपये तक हो सकता है। एक करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर यह सुविधा मिलेगी। वहीं, प्रति यूनिट बिजली की खपत पर एक रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। उधर, जिला अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं ताकि आपूर्ति की समस्या न रहे। इसके लिए आठ संयंत्र केंद्र सरकार एयरोक्स एंड एब्स्टीम कंपनी के माध्यम से खंडवा, शिवपुरी, सिवनी, उज्जैन, जबलपुर, मंदसौर, रतलाम और मुरैना में लगा रही है। मुख्यमंत्री राहत कोष से सीएसआइआर गैसकोन कंपनी के माध्यम से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा तथा शहडोल में प्लांट लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार 23 प्लांट ऐरोक्स टेक कंपनी के माध्यम से सागर, सीहोर, विदिशा, गुना, सतना, रायसेन, बालाघाट, खरगोन, कटनी, बड़वानी, नरसिंहपुर, बैतूल, राजगढ़, भोपाल (काटजू अस्पताल), देवास, धार, मंडला, होशंगाबाद, पन्ना, दमोह, छतरपुर, सीधी और भिंड जिले में लगा रही है। इसी तरह एब्स्टीम टेक कंपनी के माध्यम से 15 प्लांट उमरिया, शाजापुर, नीमच, झाबुआ, सिंगरौली, टीकमगढ़, अशोकनगर, बुरहानपुर, अनूपपुर, श्योपुर, डिंडोरी, आलीराजपुर, आगर, निवाड़ी और हरदा में लगाए जा रहे हैं। ट्राइडेंट कंपनी बालाघाट, छिंदवाड़ा, दतिया, जबलपुर, बड़वानी, शहडोल, सतना और भोपाल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम करेगी। वहीं, चार प्लांट निट्रस कंपनी मालनपुर के माध्यम से नसरुल्लागंज (सीहोर), इटारसी (होशंगाबाद) रहली (सीहोर) और ब्यावरा (राजगढ़) में लगाए जा रहे हैं।

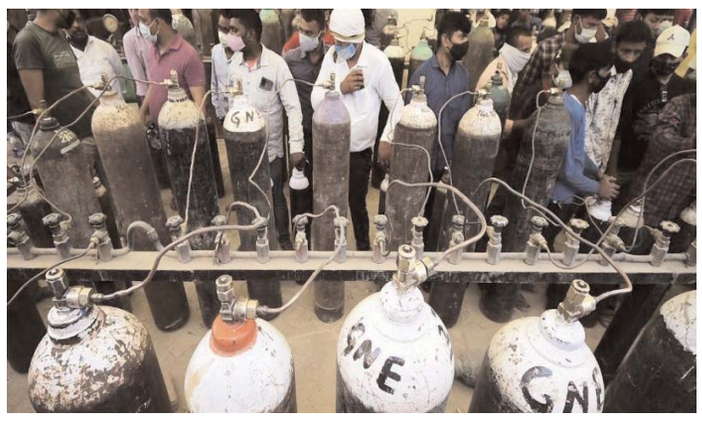

50 फीसद काम मई-जून में हो जाएगा

जिला स्तर के साथ-साथ तहसील स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी 20 जगह ऑक्सीजन संयंत्र लगाने का निर्णय लिया गया है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कुछ प्लांट लग गए हैं तो कुछ का काम तेजी से चल रहा है। 50 फीसद से ज्यादा काम मई-जून में हो जाएगा। उधर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि होशंगाबाद के बाबई मोहासा में दो सौ टन क्षमता के ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण कार्य जल्द से जल्द कराया जाए। अब इसमें विलंब नहीं होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन बनाएं, गांवों में सख्ती से रोकें कोरोना संक्रमण

भोपाल। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए गांवों में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन बनाए जाएंगे। जिन भी गांवों में संक्रमण के प्रकरण हैं, वहां सख्ती से कार्रवाई होगी। घर-घर सर्वे करके संक्रमितों की पहचान करके उनका इलाज कराया जाए। साथ ही तीसरी लहर से निपटने की तैयारी के लिए विशेषज्ञों की समिति बनाई जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की समीक्षा करते हुए दिए। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री कोरोना उपचार योजना का लाभ पहले से भर्ती मरीजों को भी मिले। यह लाभ आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को अधिक से अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में रेमडेसिविर के उत्पादन के साथ ही प्रत्येक अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लग जाएं, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिए कि निजी उद्यमियों को ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए सरकार अनुदान भी दे रही है। नकली दवा बेचने और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कार्रवाई की जाए। अधिक शुल्क वसूलने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी हो। तीसरी लहर की आशंका के चलते प्रदेश में इलाज की संभावना और इसके लिए क्या व्यवस्थाएं करनी होंगी, इसका अध्ययन विशेषज्ञों से कराया जाए।

आठ घंटे का थमा दिया 50 हजार रुपये बिल, एसडीएम ने चलाया डंडा तो आधी रकम की वापस

भोपाल। कोरोना काल में निजी अस्पतालों की क्रूरता और मानवीय संवेदनाए भुलाकर अनाप-शनाप बिल वसूलने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। भानपुर स्थित आयुष्मान मल्टीकेयर अस्पताल मरीज को तब तक कोरोना के इलाज के लिए भर्ती नहीं करते, जब तक उसके परिजन 50 हजार रुपये जमा नहीं करा देते। यह राशि जमा करने के बाद ही मरीज का उपचार शुरू किया जा रहा है। अगर अस्पताल से कोई दो या तीन घंटे में डिस्चार्ज ले रहा है, तो उसके पूरे पैसे अस्पताल प्रबंधन द्वारा हडप लिए जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया 80 फीट रोड अशोका गार्डन निवासी प्रणव कुमार आनंद के पिता का। उनका कोरोना इलाज भानपुर स्थित आयुष्मान मल्टीकेयर अस्पताल में आठ घंटे ही चला और प्रबंधन ने उनसे 50 हजार रुपये हडपकर रख लिए। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर अविनाश लवानिया ने एसडीएम मनोज वर्मा को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। प्रशासन के हरकत में आने के बाद एसडीएम ने एक टीम आयुष्मान अस्पताल भेजी। टीम ने प्रणव कुमार आनंद को भी अस्पताल बुलवा लिया और अस्पताल संचालक डॉ जसवंत विश्वकर्मा से 25 हजार रुपये वापस करा दिए। इस दौरान अस्पताल संचालक ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि हमने 50 हजार रुपये जमा कराकर रखा था। डिस्चार्ज के वक्त हमसे पैसे वापस करने के लिए नहीं कहा गया। वहीं प्रणव ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन से हमने कई बार मिन्नतें कीं, लेकिन उन्होंने कहा इतना ही बिल बना है। आप मरीज को ले जा सकते हैं। यह राशि वापस पाकर प्रणव की आंखों में आंसू आ गए, क?योंकि उसने कभी उम्मीद भी नहीं की थी कि अस्पताल प्रबंधन उसे पैसे वापस करेगा। प्रणव कुमार आनंद ने बताया कि उनके पिता को तीन मई को दोपहर तीन बजे आयुष्मान अस्पताल में भर्ती करवाया था। इसके बाद उन्होंने कुछ जांचे की और ना ही खाने की व्यवस्था की और ना ही पानी की। जब यह अव्यवस्था हमने देखी तो हमने रात 12 बजे डिस्चार्ज के लिए कह दिया। इस पर अस्पताल प्रबंधन की तरफ से आठ घंटे का हमें 50 हजार रुपये का बिल थमा दिया गया। वहीं जब तक यह रुपये जमा नहीं करेंगे तब तक मरीज को डिस्चार्ज नहीं करेंगे, ऐसा कहने लगे। जैसे-तैसे हमने पैसे का जुगाड किया और डिस्चार्ज ले लिया।

मार्च तक 50 रुपये में मिल रहा था एन-95 मास्क अब 300 से अधिक का बिक रहा

भोपाल। राजधानी भोपाल में जैसे ही कोरोना का संक्रमण पुन- बढ़ा, वैसे ही एन-95 के मास्कों की कालाबाजारी शुरू हो गई। अधिकांश मेडिकल स्टोर पर एक अप्रैल से पहले एक एन-95 मास्क 50 रुपये में मिल रहा था। अब यही मास्क 300 रुपये से अधिक का मिल रहा है। मेडिकल स्टोर्स पर पर्याप्त मास्क की खेप आ रही है। इनमें दो से चार तरह के ब्रांडेड कंपनियों द्वारा बनाए गए एन-95 मास्क बिक रहे हैं। वहीं एक दर्जन से अधिक ऐसी कंपनियां हैं, जो एन-95 मास्क के नाम पर हल्की क्वालिटी के मास्क उपलब्ध करा रही हैं। कई मेडिकल स्टोर पर नकली एन-95 मास्क भी अधिक दामों में बेचे जा रहे हैं। मास्क की कालाबाजारी पर शासन-प्रशासन की ओर से कोई रोक नहीं लग पा रही है। ऐसे में कोरोना संक्रमण से बचने के लिए लोग एन-95 मास्क महंगे दाम पर खरीदने को मजबूर हैं। फार्मा क्षेत्र से जुड़े संजीव तिवारी ने बताया कि कोरोना काल में मास्क की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में हो रही है। एक अप्रैल के बाद से एकदम एन-95 मास्क की बिक्री में तेजी आई है। इन दिनों रोज 20 हजार मास्क बिक रहे हैं, लेकिन मास्क की कालाबाजारी पर रोक नहीं लग पा रही है। नकली एन-95 मास्क भी बेचे जा रहे हैं, जिन्हें लगाने से कोरोना संक्रमण से बच पाना मुस्किल ही है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए एन-95 मास्क को ठीक माना गया है, लेकिन एन-95 मास्क के नाम पर कोई नकली एन-95 मास्क लगाए तो कोरोना से बच पाना संभव नहीं है।

-20 हजार मास्क रोज बिक रहे।
-05 हजार मास्क रोज एक अप्रैल से पहले बिक रहे थे।
-शहर में 2500 से अधिक छोटे-बड़े मेडिकल स्टोर।

ऐसे हो रही मास्क की कालाबाजारी

डीलरों से मेडिकल स्टोर संचालक सही दाम पर मास?क लाते हैं। इसके बाद ट्रांसपोर्ट का खर्चा जोड़ लिया जाता है। इसके बाद भी एक एन-95 मास्क 50 रुपये का मिलता है। विशेषज्ञों का कहना है कि असली एन-95 मास्क पांच लेयर का होता है। नकली मास्क में पांच लेयर नहीं होती हैं। इसकी जानकारी आम लोगों को नहीं होती है। ऐसे में कई डीलर मेडिकल स्टोर पर नकली एन-95 मास्क पहुंचा देते हैं। मेडिकल स्टोर वाले भी ज?यादा मुनाफा कमाने की लालच में नकली एन-95 मास्क बेचते हैं। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए लोग अधिक दाम चुका कर 300 रुपये तक भी एन-95 मास्क खरीद रहे हैं।

मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के तहत MP में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का होगा निःशुल्क इलाज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के समस्त आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नि:शुल्क कोविड उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना लागू की गई है। इस योजना में आयुष्मान कार्डधारी परिवारों का निःशुल्क कोविड उपचार करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये है

आसमान छू रहे खाद्य तेल का दाम

150 से 170 रुपये में बिक रहा, शक्कर सहित अन्य सामानों के दाम भी बढ़े

आपदा को अवसर बना लिया व्यापारियों ने, कालाबाजारी करने वालों पर कब होगी कार्यवरही

कटनी। कोरोना संक्रमण के चलते जिले में आगामी 17 मई तक लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है, इस बीच दैनिक उपयोग में आने वाले सामानों के दाम भी आसमान पर पहुंच गए हैं। व्यापारियों ने आपदा को अवसर बना लिया है। लॉकडाउन के चलते बाजार बंद होने से किराना सामग्रियों के भाव आसमान छू रहे हैं। यह सिर्फ और सिर्फ कालाबाजारी से हो रहा है। इस पर जिला प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं दिख रहा है। लॉकडाउन में लोगों को किराना सामग्री मिलती रहे, इसके लिए होम डिलिवरी करने वाले दुकानदारों की लिस्ट तो जारी कर दी गई है, लेकिन बाकी रिटेलर सुबह से जो लूट मचाते हैं, उस पर कोई नियंत्रण नहीं हैं। इस बार निगरानी के लिए कोई टीम भी नहीं बनी है और न ही अब तक कोई औचक जांच प्रशासन द्वारा कराई गई। बाजार में इन दिनों खाद्य तेल की कीमतें आसमान छू रही है। फुटकर में तेल 150 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति लीटर में बेचा जा रहा है। लोगों की मजबूरी का किस तरह फायदा उठायाजा रहा है, इसका जीता जागता उदाहरण शहर के गोलबाजार में देखा जा सकता है। यहां पुलिस की नाक के नीचे ही कतिपय किराना दुकान संचालकों को शटर उठाकर सामान बेचते हुए आसानी से देखा जा सकता है। थोक कारोबार रिटेलरों को सुबह 7 से लेकर 9 बजे तक ही सामान दे रहे हैं। शक्कर 40 रुपये, राहर दाल 110 से 120 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। अधिकांश सामग्री का मनमाना दाम वसूल किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के चलते ग्राहकों के साथ गंभीर समस्या है कि आपदा के समय किसी तरह उनको किराना सामग्री मिल जाए। सुबह से ही यही जद्दोजहद रहती है। किराना कारोबारी जिस सामग्री का जितना दाम मांगते हैं, मजबूरी में उतना देना पड़ रहा है। रेट पूछने व अधिक वसूली पर यदि कोई बात कारोबारी को कही जाती है तो उनको सिर्फ यह कह दिया जाता है कि हमको तो खुद इस रेट पर मिली है तो आपको इस रेट पर तो देंगे ही। जल्दी लेना है तो बताइये नहीं तो अभी पुलिस की गाड़ी आ जाएगीए दुकान बंद करनी पड़ जाएगी। आपके कारण 5 हजार रुपये जुर्माना भरना पड़ेगा वह अलगए मोलभाव का समय नहीं है। और इस तरह से ग्राहक लुट रहा है। बताया जाता है कि लॉकडाउन के समय सुबह-सुबह कुछ किराना दुकानें खुल रही हैं व कुछ लोग होम डिलेवरी के माध्यम से लोगों तक किराना सामग्री पहुंचा रहे हैं। वहीं कुछ कारोबारी चोरी.छिपे कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में जिन रिटेलरों को दुकान खोलने की अनुमति है उनको थोक कारोबारी से कब और कैसे सामग्री आसानी से प्राप्त करना है यह तय नहीं है। जानकारों की मानें तो रिटेलर रात में चोरी-छिपे सामग्री लाते हैं, उसे सहेजते हैं और फिर सुबह से मनमाने दाम पर विक्रय करते हैं।

रिटेल दवा व्यवसायियों को भी माना जाए कोरोना वारियर्स

कटनी। शहर में एक और दवा व्यवसाई की मृत्यु पर दवा व्यवसायियों में बेचैनी का माहौल है। रिटेल दवा एसोसिएशन के मोनी जैसवानी, संजय जायसवाल ने कहा कि कोरोना काल को एक साल से ज्यादा हो गया है, उसमें सभी रिटेल एवं होलसेल दवा व्यवसाई पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ शहर की जनता के साथ उनकी आवश्यक जीवन दायिनी दवाओं की आपूर्ति करने प्रयासरत रहे हैं। इस दौरान कई दवा व्यवसायियों ने स्वयं ही जान गवाई। कईयों के परिजनों की भी जान गई। यहां तक की एक मेडिकल स्टोर्स के दो पुरुष सदस्य की 10 दिन के अंतराल में ही मृत्यु हो गई। उनके परिजनों के सामने अपनी जीविका चलाने के लिए समस्या खड़ी हो गई।

कटनी रिटेल मेडिकल एसोसिएशन करमा ने उठाई मांग

अब लगातार इन्हीं स्थितियों को देखते हुए पूर्व में भी दवा व्यवसायियों ने मुडवारा विधायक एवं कलेक्टर के माध्यम से समस्त दवा रिटेल दवा व्यवसायियों को कोरोना वारियर्स मानने मांग की थी। एक बार फिर से समस्त व्यापारी अपनी मांग उठा रहे हैं। सीधे मरीजों के संपर्क में आने वाले समस्त व्यवसायी अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत होकर व्यापार कर सकेंए क्योंकि यह निर्णय मुख्यमंत्री जीए अन्य उच्च स्तरीय माध्यम से ही हो सकता है। रिटेल दवा व्यवसायियों के साथ एक बड़ी समस्या यह भी है कि यदि वह स्वयं प्रोपराइटर एवं फार्मासिस्ट दोनों है तो उसके परिजन बिना फार्मासिस्ट के आगे व्यवसाय को नहीं चला सकते, जिससे उनके परिजनों को अपना परिवार चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी स्कूल का शौचालय साफ करेगा दहेज प्रताड़ना का आरोपी

स्कूल की स्वच्छता में भी करेगा सहयोग, हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए सुनाई अनूठी सजा

कटनी। जबलपुर उच्च न्यायालय ने अभिनव पहल करते हुए कोतवाली के नईबस्ती क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के एक मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत देने के लिए अनूठी व सुधारात्मक शर्त रखी है। जस्टिस शील नागू की सिंगल बेंच ने कहा कि आरोपी अपने नजदीकी सरकारी प्राथमिक शाला में स्वच्छता व आरोग्य सुनिश्चित करने के लिए शारिरिक एवं वित्तीय सहायता करेगा। अपने संसाधनों व कौशल से स्कूल की अधोसंरचनात्मक सुविधाओं की कमियां दूर करेगा। कोर्ट ने कटनी डीईओ व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को कहा कि वे इस सामुदायिक सेवा में आवेदक को प्रोत्साहित करें। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता नजदीकी प्राथमिक स्कूल में आरोग्य, स्व्च्छता व अधोसंरचनात्मक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक व शारीरिक सहयोग दे। विद्यालय का चयन कर इसकी सूचना सम्बंधित ग्राम पंचायत या वार्ड अधिकारी को सूचित करे।

आदेश की प्रति राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सहायता अधिकारी के जरिए कटनी डीईओ व संबंधित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तक पहुंचाई जाए। कोर्ट ने आवेदक की अर्जी मंजूर कर उसे केस चलने तक भारत न छोड़ने सहित अन्य शर्तों पर अग्रिम जमानत का लाभ दे दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता योगेश सोनी के तर्क से सहमत होकर अग्रिम जमानत देने की मंशा जाहिर की। कोर्ट ने अधिवक्ता सोनी से आवेदक की शिक्षा के बारे में पूछा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि आवेदक स्नातक है। इस पर कोर्ट ने आवेदक को सरकारी स्कूल में सेवा का सुधारात्मक आदेश दे दिया।

क्या है मामला

कोतवाली कटनी के नई बस्ती क्षेत्र निवासी भारत छावड़ा की ओर से अर्जी दायर की गई। अधिवक्ता योगेश सोनी ने कोर्ट को बताया कि आवेदक के भाई का विवाह 20 अप्रेल 2019 को हुआ। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद के चलते उसकी भाभी ने ससुराल पक्ष के खिलाफ पुलिस में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। इस पर कोतवाली पुलिस ने आइपीसी की धारा 498ए, 323, 506 सहपाठित 34 व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं 3,4 के तहत आवेदक व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। इसी मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए आवेदक की ओर से यह अग्रिम जमानत की अर्जी प्रस्तुत की गई।

नगर के विभिन्न रहवासी क्षेत्रों सहित कोविड केयर सेंटर सैनेटाइज

कटनी। कोराना संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु रोजाना चलाये जा रहे सैनेटाइजेशन अभियान के तहत नगर के वार्डो के अधिक से अधिक स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव करनें के उद्धेश्य से निगम प्रशासन द्वारा मिस्ट गन मशीन एवं कोरोना विनाशक रथों द्वारा विभिन्न रहवासी क्षेत्रों सहित चिन्हित माईक्रो कंटेनमेंट जोन, कोविड केयर सेंटर आदि स्थलों में छिड़काव किया कर विसंक्रमित करने की कार्यवाही निरंतर जारी है। सैनेटाईजेशन प्रभारी पंकज निगम एवं अभिषेक बघेल नें जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निरंतर चलाये जा रहे सैनेटाइजेशन अभियान के तहत आज चंडिका चन्द्र, शेखर आजाद वार्ड मरही माता गली, नगीना मस्जिद के पीछे वाली गली, महात्मा गांधी वार्ड स्थित राजेश बिल्डिंग के पास, पूर्व पार्षद गली, गांधी गंज क्षेत्र, जयप्रकाश वार्ड स्थित आदर्श कॉलोनी स्थित सांई बिल्डिग गली एवं सांई मंदिर के पास सैनेटाइजेशन किया गया। इसी तरह सरस्वती स्कूल, संतनगर, पेठा गली, गांधी द्वार मुख्य मार्ग से अहिंसा चैराहा होते हुए शासकीय जिला चिकित्सालय तक, राजीव गांधी वार्ड में माता मंदिर के बगल वाली गली एवं रबर फैक्ट्री रोड, राम जानकी हनुमान वार्ड के विभिन्न स्थलों आदिवासी बस्ती, नाईस मेडिकल के सामने वाली गली, साहू किराना शनिदेव मंदिर के पास वाली गली, आई.टी.आई के पीछे गली, सांई पुरम कॉलोनी, सहित वार्ड के माईक्रो कंटेनमेंट जोन, राहुल बाग मल्टी के चारों ओर एवं बेस मेंट, द्वारिका सिंटी, मानसरोवर कॉलोनी स्थित कंटेनमेंट जोन एवं मुक्तिधाम परिसर, कावस जी वार्ड की संपूर्ण बस्ती एवं मुक्तिधाम परिसर, सी.एल.पी पाठक वार्ड स्थित मुख्य मार्ग, डन कॉलानी की संपूण गलियों, मंगल नगर स्थित कंटेनमेंट जोन, शुभ सिटी, आयुध निर्माणी कॉलोनी सहित नगर के अन्य क्षेत्रों में कोराना विनाशक रथों एवं मिस्ट गन मशीन के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड का छिड़काव जाकर स्थलों को सैनेटाइज किया गया। नगर के अन्य स्थलों दिव्यांचल कोविड केयर सेंटर, सायना कोविड केयर केन्द्र, राय कॉलौनी छात्रावस, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस लाईन, जिला चिकित्सालय परिसर, पुरानी कचहरी, जिला न्यायालय वैक्शीनेशन केन्द्र परिसर, कोविड जांच केन्द्र जैन माध्यमिक शाला, दीनदयाल अन्त्योंदय रसोई क्रेन्द्र क्रामंक 2 सहित अन्य स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड का छिडकाव किया जाकर स्थलों को विसंक्रमित करनें की कार्यवाही की गई।

722 सेम्पल की रिपोर्ट में 101 नए पॉजीटिव केस

कटनी। जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में हर दिन कमी देखने को मिल रही है। पिछले कुछ दिनों से 150 से कम पॉजीटिव केस मिलने के बाद आज जिले में 101 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। शहर की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में अब ज्यादा संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 722 सेम्पल की रिपोर्ट में 101 नए मरीज मिले हैं। जिसमे मेडिकल कॉलेज जबलपुर से मिली 427 सेम्पल की रिपोर्ट में 56 और रेपिड एंटीजन टेस्ट की 295 सेम्पल की रिपोर्ट में 45 नए पॉजीटिव केस मिले हैं। इस तरह आज संक्रमण की दर 13 प्रतिशत के आसपास रही। सीएमएचओ डॉ. प्रदीप मुढ़िया ने बताया कि जैन स्कूल में बनाए गए कोविड जांच केन्द्र में अब कम ही लोग सेम्पलिंग कराने के लिए आ रहे हैं। ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से लोगों को सुविधा मिली है। अब यहां न तो पहले जैसी भीड़ उमड़ रही है और न ही उतने लोगों की सेम्पलिंग हो रही है। सीएमएचओ ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण पर रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां गांव-गांव टीमें घूमकर लोगों की सेम्पलिंग कर रही है। इसके अलावा प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बसाड़ी और कन्हवारा में भी लोगों की कोरोना जांच की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से हर दिन 700 से 800 लोगों की जांच की जा रही है। सेम्पलिंग बढ़ने के बाद भी संक्रमण की दर 20 प्रतिशत से नीचे आ गई है।

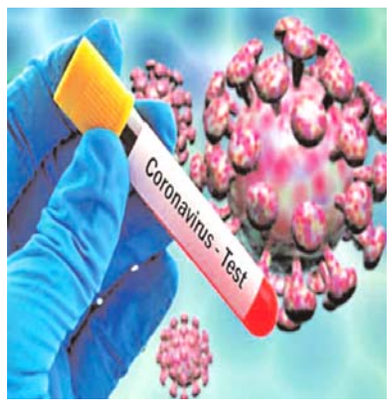

मुड़वारा स्टेशन में चलाया रोको-टोको अभियान

यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग से की गई जांच

कटनी। रोको टोको अभियान एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता के निरंतर प्रयास किये जा रहे है। संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगानें के उद्धेश्य से निगम की सहयोगी संस्था के सदस्यों द्वारा आज प्रातः मुडवारा रेल्वे स्टेशन, कटनी साउथ स्टेशन सहित पुरानी कचहरी स्थित वैक्शीनेशन प्रांगण में रोको-टोको अभियान का संचालन किया जाकर स्टेशन परिसर में आने जाने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जाकर नागरिकों कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु मुंह एवं नाक को मास्क अथवा कपड़े से ढककर रखनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा साबुन से हांथों को धुलनें अथवा सैनेटाईजर का उपयोग कर स्वयं को एवं अपनें परिवार को संक्रमण से सुरक्षित रखनें की समझाईश दी गई। पुरानी कचहरी स्थित प्रांगण में वैक्शीनेशन करानें हेतु आनें वाले नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पडे इस हेतु टीम के सदस्यों द्वारा प्रातः से वैक्शीनेशन केन्द्र पहुंचकर नागरिकों को क्रमबद्ध कर वैक्शीनेशन कराने सहित परिसर की अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया गया।

टोल फ्री नंबर पर हर दिन आ रही एक सैकड़ा शिकायतें

नगर निगम के कंट्रोल रूम से हो रहा शिकायतों का निराकरण

कटनी। कोविड -19 संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए नागरिकों की सुविधा हेतु लॉकडाउन की अवधि में निकाय की सेवाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम कार्यालय परिसर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। इस कंट्रोल रूम के लिये फोन नंबर 07622-220877 तथा टोल फ्री नंबर 18002330877 जारी किया गया है। निगमायुक्त श्री धाकरे ने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से आठ-आठ घंटों की तीन पालियों में कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। जो 24 घंटे निकाय की सेवाओं से संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उनके शीध्र निराकरण के लिये आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं। कंट्रोल रूम प्रभारी प्रभारी कार्यालय अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से शुक्रवार की प्रातः से दोपहर 2 बजे तक प्राप्त 107 शिकायत दर्ज की गई है। जिन्हें संबंधित शाखा की ओर प्रेषित करते हुए 100 शिकायतों का निराकरण कराया जा चुका है। शेष 7 शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधितों को निर्देशित किया है। निगमायुक्त श्री धाकरे ने नागरिकों से लॉकडाउन के नियमों का पालन कर करोना संक्रमण से बचनें तथा निकाय से संबंधित शिकायतों का निराकरण घर बैठे ही कंट्रोल रूम नंबर 07622-220877 तथा टोल फ्री नंबर 18002330877 नंबर के माध्यम से करानें की अपील की है।

कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, नालियों की सफाई

कोरोना संक्रमण रोकने युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा सफाई अभियान

कटनी। कोविड -19 के संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु निगम प्रशासन द्वारा सत्त प्रयास किये जा रहे है। कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिह धाकरे के निर्देशन में नगर की सुचारू सफाई व्यवस्था सहित कीटनाशक दवा का छिड़काव, रोको-टोको अभियान से संक्रमण के प्रति जागरूकता सहित वृहत रूप से सैनेटाइजेशन अभियान चलाकर सोडियम हाईपोक्लोराईड का छिड़काव कर रोजाना विसंक्रमित करने की कार्यवाही की जा रही है। सैनेटाइजर प्रभारी पंकज निगम एवं अभिषेक बघेल ने बताया कि आज चलाये गए अभियान के तहत नगर के विभिन्न स्थलों राम नगर, कुठला स्थित इंडियन होटल के पीछे लाला मोहल्ला, नदीपार रविदास चौक, कैलवारा रोड, रचना नगर सहित राम मनोहर लोहिया वार्ड के विभिन्न स्थलों, नई बस्ती स्थित ब्रम्हा जसूजा क्लीनिक के पास, जगमोहनदास वार्ड सरस्वती स्कूल के आगे, रफी अहमद किदवई वार्ड स्थित शिवहरे किराना के पास वाली गली, अनिल सिंह वाली गली, चौबे आटा चक्की, गुप्ता किराना स्टोर, हेंमत सोनी जी वाली गलियों के विभिन्न स्थलों, राम जानकी हनुमान वार्ड स्थित मम्मू मेडिकल के पास, सांई पुरम कॉलोनी सहितं अन्य क्षेत्रों, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड स्थित, गणेश चौक, व्ही.आई.पी रोड, डा प्रवीण वैश्य हास्पिटल गली, जौहर गली मेन रोड, सूरी गली, सिविल लाईन आदि क्षेत्रों में छिडकाव कार्य कराया गया। संक्रमण से बचाव हेतु दुबे कॉलोनी लिटिल स्कूल के पास वाले क्षेत्र, एन.के.जे रामकुमार स्कूल के पास, मानसरोवर कॉलोनी, बरगवां मुख्य मार्ग, भट्टा मोहल्ला मुख्य मार्ग, मंगलनगर, डन कॉलोनी, जय हिंद चौक, नेनसी स्कूल के पास, राजू गुप्ता के घर के आसपास सहित नगर के अन्य स्थलों में कोरोना विनाशक रथों एवं पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एन.के.जे कॉलोनी में मिस्ट गन मशीन के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराइड के घोल का छिडकाव किया जाकर स्थलों को विसंक्रमित किया गया। नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों सहित शासकीय कार्यालयों में की गई कार्यवाही के तहत दिव्यांचल कोविड केयर सेंटर, सायना कोविड केयर सेंटर, सरस्वती स्कूल, दुर्गा चौक चैक पोस्ट, नगर निगम कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, बालक छात्रावास राय कॉलानी, झिंझरी पुलिस चौकी सहित अन्य स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराइड के घोल का छिडकाव किया जाकर स्थलों को विसंक्रमित करनें की कार्यवाही की गई।

वार्डों में सेनेटाईजेशन, सड़कों पर सफाई

कटनी। कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं आयुक्त श्रसत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम प्रशासन द्वारा दो पालियों में नगर की सफाई कराई जाकर कोविड-19 संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है। नगर में किसी प्रकार से संक्रमण का प्रसार न हो सके इस हेतु रोजाना सार्वजनकि मार्गो सहित मलिन बस्तियों, कोविड केयर केन्द्र, वेक्सीनेशन केन्द्र सहित विभिन्न अस्पतालों के मेडिकल वेस्ट की सफाई की जाकर कीटनाशक दवा का छिडकाव किया जा रहा है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि ट्रांसपोर्टनगर पुरैनी स्थित थोक सब्जी मंडी परिसर बस स्टेण्ड परिसर के विभिन्न स्थलों सहित नगर के मुख्य मार्गो पन्ना मोड, इंदिरा नगर गली नंबर 4 लखन चौबे के घर के पास सफाई कार्य, घंटाघर कचरा प्वाइंट, गुरूनानक वार्ड की विभिन्न गलियों में दवा का छिडकाव कार्य, मिशन चैक, भट्टा मोहल्ला मुख्य मार्ग, कावस जी वार्ड प्रेम वंशकार मलिन बस्ती की सडकों की सफाई सहित नगर के मुख्य मार्गो बरगवां ओव्हर ब्रिज के पास के डिवाईडर, सब्जी मंडी पुल से कुठला थाना तक मुख्य मार्गो तथा ट्रोसपोर्टनगर के पास डिवाईडर के दौनों ओर सफाई की जाकर कचरे के उठाव का कार्य किया गया। नगर की सफाई व्यवस्था सुचारू बनी रहे इस हेतु विगत रात्रि उपनगरीय क्षेत्र स्थित माधवनगर के विभिन्न मुख्य मार्गो कैरिन लाईन, ए.डी.एम लाईन, बाम्बे स्वीट्स चैराहा, चावला चैक, नमक गोदाम रोड, ग्राम पंचायत चैराहा, एम.ई.एस कॉलोनी, डायमंड स्कूल रोड, बाबा नारायण शाह हस्पिटल, नदीपार के मुख्य मार्गो, रविदास चैराहा, मुक्तिधाम रोड, सूर्या होटल के सामनें, बस स्टेण्ड, बरही रोड, पन्ना रोड आदि स्थलों की सफाई का कार्य कराया गया। नगर की नालियों के माध्यम से सुगमता से पानी की निकासी हेतु तिलक वार्ड स्थित इंदिरा नगर गली नंबर -4 लखन चैधरी के घर के सामने नालियों की सफाई, राम मनोहार लोहिया वार्ड हरिबजन बस्ती की नालियों, महात्मा गांधी वार्ड हल्दीराम गली पंडित जी की कुलिया की नालियों, कावस जी वार्ड दरबारी लाल वंशकार के घर के सामनें की नालियों, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड की नालियों, माधवनगर उपकार्यालय के पीछे नालियों की सफाई, बाबा नारायण शाह वार्ड की विभिन्न स्थलों की नालियों की सफाई की जाकर नगर को साफएवं संक्रमण मुक्त रखने के प्रयास किये गए।

शहर को संक्रमणमुक्त बनाने जुटे नगर निगम के स्वच्छता दूत

मां बनने के बाद गुजरीं थीं डिप्रेशन से, खुद के शरीर से होने लगी थी चिढ़ और...

कल्कि पिछले साल सात फरवरी को एक प्यारी सी बेटी की मां बनीं हैं। ये बच्ची उनकी और उनके ब्वॉयफ्रेंड गाय हर्शबर्ग की है। एक बार फिर कल्कि ने अपने प्रेग्नेंसी डेज को याद करते हुए कई सारी बातें का खुलासा किया है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कल्कि केकलां इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं जो अपनी बात को बेबाकी से कहने में पीछे नहीं हटती। कल्कि ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया। वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। कल्कि पिछले साल सात फरवरी को एक प्यारी सी बेटी की मां बनीं हैं। ये बच्ची उनकी और उनके ब्वॉयफ्रेंड गाय हर्शबर्ग की है। एक बार फिर कल्कि ने अपने प्रेग्नेंसी डेज को याद करते हुए कई सारी बातें का खुलासा किया है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को बहुत सी समस्याएं होती हैं लेकिन इस पर बात नहीं की जाती है। से बात करते हुए कल्कि केकलां ने कहा, %अपनी प्रेग्नेंसी के दिनों को मैं लाइफ के यादगार मेमोरीज की तरह नहीं देखती बल्कि ये एक छोटी सी नई शुरुआत है। मैंने इसे इसलिए लिखा कि मैंने देखा है कि बहुत कम लोग है जो प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली दिक्कतों और परेशानियों के बारे में खुलकर बात करते हैं। हम केवल यह सुनते हैं कि यह बहुत सुखद अनुभव होता है। यकीनन ये एक सुखद अनुभव है लेकिन एक प्रेग्नेंट महिला को इस दौरान व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक परिवर्तन भी देखने पड़ते हैं। लोग सोचते हैं कि अगर आप मां होने के अपने कड़वे अनुभवों को बताएंगे तो यह आपको आपके बच्चे से दूर कर देता है। कल्कि ने आगे कहा, इसकी शुरुआत उस वक्त हुई जब उल्टियां होने की वजह से मेरी बुरी हालत थी। अचानक से जैसे मैंने अपनी सारी ऊर्जा खो दी थी। मैं उस दौरान न ही मैं कुछ कर पा रही थी ना ही सोच पा रही थी। यहां तक कि मुझे अपने शरीर से ही चिढ़ होने लगी थी। क्योंकि यह हमेशा काफी थका देने वाला था। मैं अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रही थी। कल्कि ने इसी इंस्टरव्यू में अपने डिप्रेशन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, %मैं पोस्टपार्टम डिप्रेशन (बच्चे के जन्म के बाद का डिप्रेशन) से गुजर रही थी। और इसे बहुत थकावट के रूप में नहीं कहा जाना चाहिए। ऐसे तब होता है जब कोई इंसान हर दो घंटे में जग जाए, हर रात और पूरे दिन जागता रहे तो उसे डिप्रेशन हो जाता है। नींद की कमी एक यातना के रूप में है। लोग इस पर बात नहीं करते कि यह कितना मुश्किल है।

रोहित शेट्टी ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में किया योगदान

देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से हर कोई चिंतित नजर आ रहे हैं। इस निराशा के वक्त में कई बॉलीवुड सेलेब्स एनजीओ के साथ मिलकर लोगों की मदद कर रहे हैं। अब बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर रोहित शेट्टी लोगों की मदद को आगे आए हैं।

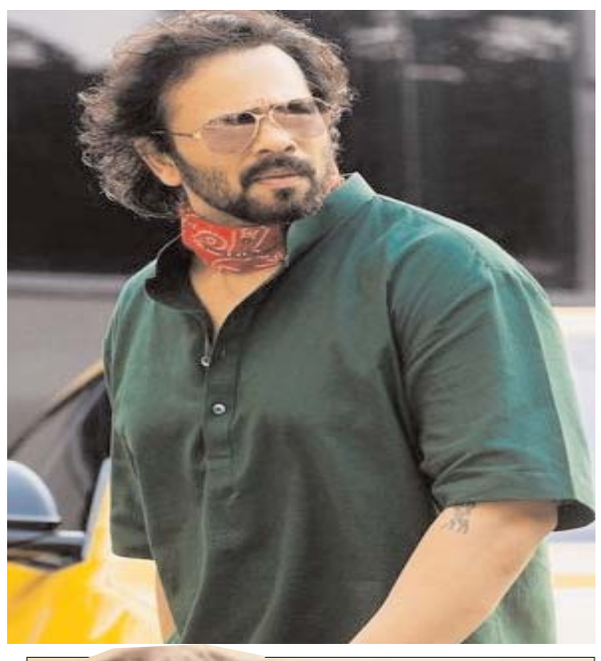

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से हर कोई चिंतित नजर आ रहे हैं। इस निराशा के वक्त में कई बॉलीवुड सेलेब्स एनजीओ के साथ मिलकर लोगों की मदद कर रहे हैं। अब बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर रोहित शेट्टी लोगों की मदद को आगे आए हैं। इसकी जानकारी शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनजिंदर सिंह सिरसा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर दी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'वो स्क्रीन पर खतरों का खिलाड़ी है। लेकिन पर्दे के पीछे वो एक समझदार और दयालु व्यक्ति हैं।' उन्होंने में आगे रोहित शेट्टी का धन्यवाद करते हुए लिखा, 'हम आपके इस समर्थन के लिए आभारी हैं और प्रार्थना करते हैं कि आपकी इस मदद के बदले आपको बहुत सारा आशीर्वाद मिले।' वहीं मनजिंदर सिंह सिरसा के इस पोस्ट को पैपराजी फोटोग्राफर विरल भायनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'रोहित शेट्टी ने एक गुरूद्वारे को कोविड पेशेंट्स के इलाज के लिए 250 बेड के आस्थाई हॉस्पिटल को आर्थिक सहयता प्रदान की है।' आपको बता दें कि निर्देशक कलर्स टीवी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 11 में नजर आने वाले हैं। इस शो को वो होस्ट करते नजर आएंगे। वहीं उन्होंने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में 'गोलमाल', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'सिंबा', 'बोल बच्चन', 'सिंघम रिटर्न्स', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'दिलवाले' जैसी शानदार फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। साथ ही उनकी 'सूर्यवंशी' इस फिल्म में अक्षय कुमार अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। पहले इस फिल्म को पिछले साल 2020 में रिलीज किया जाना था। लेकिन कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन की वजह से फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढा दिया गया। लेकिन अब एक बार फिर कोविड की दूसरी लहर के चलते फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'सर्कस' में अभिनेता रणवीर सिंह नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस के साथ नजर आने वाले हैं।

मीरा राजपूत पति शाहिद कपूर की आदत से हैं परेशान

शाहिद की तरह ही उनकी पत्नी मीरा राजपूत भी काफी चर्चा में रहती हैं। मीरा की लोकप्रियता किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है। मीरा और शाहिद की जोड़ी इंडस्ट्री की क्यूट कपल की लिस्ट में देखी जाती हैं। वहीं मीरा सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त एक्टिव रहती हैं।

नई दिल्ली। एक्टर शाहिद कपूर फिल्म इंडस्ट्री के हिट स्टार्स की लिस्ट में शामिल हैं। वह न सिर्फ अपनी प्रोफेशनल लाइफ बल्कि अपनी फैमिली लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। वहीं शाहिद की तरह ही उनकी पत्नी मीरा राजपूत भी काफी चर्चा में रहती हैं। मीरा की लोकप्रियता किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है। मीरा और शाहिद की जोड़ी इंडस्ट्री की क्यूट कपल की लिस्ट में देखी जाती हैं। वहीं मीरा सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो फैंस के बीच साझा रकती हैं। वहीं कई बार वह अपनी पर्सनल बातें भी फैंस से शेयर करने में पीछे नहीं हटतीं। इसी बीच एक मीरा का पोस्ट फिर सुर्खियों में बना हुआ है। दरअसल, मीरा राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। इस तस्वीर को शेयर करने के साथ ही उन्होंने फैंस से एक बड़ा सवाल पूछा है। फोटो में आप देख सकते हैं कि जमीन पर शाहिद के जूते और मोजे बिखरे पड़े हैं जिससे वह काफी परेशान हैं। मीरा ने पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, %क्या सभी आदमी ऐसे ही होते हैं?% इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे शाहिद वर्कआउट के बाद इस तरह जूते-मोजे घर पर फैलाकर रखते हैं। आपको बता दें कि हाल ही में मीरा राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने बेटी मीशा के हाथ से लिखे गए इमोशनल खत की तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में मीशा के नन्हें हाथ भी नजर आ रहे थे। वो पेंसिल से लेटर पर कुछ हार्ट जैसा शेप भी बनाती नजर आ रही थी। वहीं मीशा ने इस लेटर में लिखा था है, 'डियर दादी, मैं आपको मिस कर रही हूं। जब आप फ्री होना तो कॉल करना, लव मीशा।% मीरा ने ये तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'प्यार भरे खत।% मीरा राजपूत के इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद किया गया था।

श्वेता तिवारी के पति ने फिर उनपर लगाए गंभीर आरोप, विदेश जाते ही पूछा- मेरा बच्चा कहा है, उसको भी कोविड...

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी बीते काफी वक्त से अपनी शादीशुदा लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। श्वेता अपने दूसरे पति अभिनव कोहली संग अपने खराब रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। श्वेता और अभिनव के बीच मामला सुलझता नहीं दिख रहा है। इसी बीच श्वेता रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 11 में हिस्सा लेने को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। शो में हिस्सा लेने के लिए श्वेता कल यानी शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन रवाना हो गईं। वहीं अब इसी बीच उनके जाते ही पति अभिनव ने वीडियो पोस्ट कर बच्चे के बारे में सवाल उठाए हैं। यहां देखें पूरा वीडियो... अभिनव कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस पूरे वीडियो में वह सिर्फ अपने बच्चे को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं कि मेरा बेटा रेयांश कहा हैं। अभिनव ने श्वेता पर आरोप लगाते हुए कहा, %श्वेता खतरों का खिलाड़ी खेलने के लिए साउथ अफ्रीका चली गई है। कुछ दिन पहले श्वेता ने मुझसे शो में जाने लिए पूछा था मैंने कहा था कोविड चल रहा है ऐसे में बच्चे को होटल के रूप में छोड़ना ठीक नहीं मैं उसका ख्याल रख सकता हूं। लेकिन कल रात और आज सुबह उनके जो वीडियो आए हैं उसमें वो साउथ अफ्रीका चली हैं खतरों का खिलाड़ी खेलने के लिए लेकिन मेरा बच्चा कहां हैं? अभिनव आगे कहते हैं, अभी मैं पुलिस स्टेशन गया था लेकिन हमेशा की तरह ही उन्होंने मुझे कहीं और जाने के लिए ?कहा। उन्होंने कहा कि चिल्ड्रेन वेलफेयर कमेटी में जाइए। यहां मेल कीजिए वहां मेल कीजिए। मैं अब सिर्फ अपना बच्च ढूंढ रहा हूं। होटल-होटल जाकर उसकी तस्वीर दिखा कर पूछ रहा हूं कि क्या मेरा बच्चा यहां है। वो मेरे बच्चे को छोड़कर चली गई अभी पता नहीं उसकी हालत क्या होगी। उन्होंने वीडियो में आगे कहा, न उस बच्चे की मां है साथ में न पिता है। मैं सिर्फ इस वजह से लाइव आया हूं आप सबसे अपील करने के लिए कि अगर किसी को मेरे बच्चे को बारे में कुछ पता चले तो ?प्लीज मुझे बताएं। मेरा बच्चा परसो रात को बीमार था। वीडियो कॉलिंग में उसका गला भी भरा हुआ था, उसकी आंखें भी सूजी हुईं थी। हो सकता है कि उसको भी कोविड हो या न हो। लेकिन श्वेता तो बच्चे को पता नहीं कहां छोड़कर साउथ अफ्रीका चली गई। पता नहीं मेरे बच्चे की तबियत कैसी हो। कोरोना वायरस की दूसरी लहर चल रही है तो वो बेटे को होटल रूम में छोड़कर केपटाउन चली गई हैं।

गुजरात से जबलपुर पहुंचे थे नकली इंजेक्शन

नकली रेमडेसिविर में सिटी अस्पताल के संचालक मोखा का नाम !

किन मरीजों को लग गए नकली इंजेक्शन, पुलिस जांच की तह में

जबलपुर, यशभारत। यह खबर जब लिखी जा रही है, तब पुलिस इस बात को लेकर तफ्तीश कर रही हैं कि जो दबीश दी गई और उसमें जो खुलासा हुआ है, वह सही है तो कार्यवाही कैसे की जाए।बात यह है कि गुजरात पुलिस जिसको हिरासत में ले गई है,उसके परिजन ने चौंकाने वाली जानकारी देते हुए बताया कि लाखों रुपये के लेनदेन में सपन को गुजरात से इंजेक्शन लाने कहा गया, जीएसटी नंबर के साथ बिल भी भी देने कहा, साथ ही यह भी कहा कि इंजेक्शन अस्पताल में लाकर देना,वह डिलेवर भी कर दिए गए।नामी अस्पताल का नाम आते ही पुलिस के पैरों तले जमीन खिसक गई।अब सवाल यह था कि उसके बयान में कितनी सत्यता है, इसके प्रमाण जुटाने पुलिस सक्रिय हो गई है।हर कोण से पुख्ता होने के बाद पुलिस अपनी कार्ययोजना बनायेगी।

अधारताल थाना प्रभारी शैलेश मिश्रा ने बताया कि सपन जैन के चाचा सत्येंद्र जैन ने बताया है कि सिटी अस्पताल से उसके भतीजे को 70 लाख रुपए दवाई के लेना थे । रकम मांगने पर सरबजीत मोखा ने उससे कहा कि तुम गुजरात से यह इंजेक्शन ले आओ, उसके बाद मैं तुम्हें 50 लाख रुपए रिलीज कर दूंगा

जिसके लिए उन्होंने बकायदा नकली इंजेक्शन करने वाले डीलर का नंबर भी सपन जैन को दिया था।

गुरुवार को गुजरात पुलिस द्वारा जबलपुर में आकर दवा व्यवसाई सपन जैन की गिरफ्तारी के बाद अब शहर में बिके नकली रेमडेसीविर इंजेक्शन ने लोगों की नींद उड़ा दी है। जानकारी के मुताबिक गुजरात के सूरत और मध्य प्रदेश के इंदौर में हुई अलग-अलग गिरफ्तारियां से पता चला है कि जबलपुर के अधारताल क्षेत्र के दवा व्यवसायी सपन जैन द्वारा नकली इंजेक्शन बेचे गए हैं। जिसके बाद अब इस बात की जांच की जा रही है कि वे नकली इंजेक्शन किन-किन को बेचे गए और किस कीमत पर बेचे गए ।जिसमें सबसे महत्वपूर्ण सवाल तो यह है कि ये नकली इंजेक्शन जिन मरीजों को दिया गया उनका स्वास्थ्य कैसा है।

किसको बेचे इंजेक्शन

अब यह सवाल उठता है कि जो इंजेक्शन बेचे गए हैं वे जबलपुर में किसी अस्पताल को सप्लाई किये गए हैं या फिर दलालों के माध्यम से सीधे मरीजों को बेच दिए गए। साथ ही उन्हें कितनी कीमत पर बेचा गया ,यह भी पता करने की कोशिश की जाएगी। सबसे मुख्य बिंदु तो यह है कि यह नकली इंजेक्शन जिन मरीजों को लगाए गए हैं उनके क्या हाल हैं । कहीं उन मरीजों पर इसके कोई गंभीर परिणाम तो नहीं हुए यह भी जानना बहुत महत्वपूर्ण है। इस पूरे मामले में जिन -जिन की भूमिका भी संदिग्ध हो सकती है उनसे पुलिस पूछताछ करेगी क्योंकि विशेषज्ञ असली और नकली इंजेक्शन में फर्क आसानी से कर लेते ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि कहीं कोई अस्पताल ने ही तो जानबूझकर यह नकली इंजेक्शन नहीं मंगाए थे।

घर की तलाशी लेने पीपी किट पहनकर तैयार होते थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा

दो इंजेक्शन भी हुए जप्त

अधारताल पुलिस ने सत्येंद्र जैन के घर से दो इंजेक्शन भी जप्त किए हैं और जांच में जुटी है कि यह इंजेक्शन होने कहां से प्राप्त हुए

भगवती फार्मा में पहुंची पुलिस

नकली इंजेक्शन की परत धीरे -धीरे खुलती जा रही है जिसके चलते आज पुलिस ने दवा बाजार स्थित भगवती फार्मा में भी जांच की रही है जांच में क्या सामने आया अभी इसकी जानकारी हासिल नहीं हुई।

गुजरात मे जो नकली इंजेक्सन पकड़े गए हैं, उसके तार जबलपुर से भी जुड़े हुए हैं जिसकी जांच जारी हैं।

रोहित केसवानी
एएसपी जबलपुर

जो भी बयान आ रहे हैं वह गलत है हमने आज तक उससे कोई भी रेमडेसीविर इंजेक्शन नहीं लिए हैं वह एक दवा व्यापारी है अस्पताल में रेगुलर दवा की सप्लाई करता है जिसका भुगतान भी निर्धारित समय पर होता रहता है हमें जो भी रेमडेसीविर इंजेक्शन मिलते हैं वह शासन से या जिस कंपनी में हमारा अकाउंट है उससे मिलते है।

सरबजीत सिंह मोखा
संचालक सिटी अस्पताल

दमोह उपचुनाव का मामला: पाटन से बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने कहा

हार की जबावदारी क्या टिकट बांटने वाले और चुनाव प्रभारी भी लेंगे?

जबलपुर, यशभारत। दमोह उपचुनाव को लेकर बीजेपी की अंदरूनी कलह खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी प्रत्याशी ने जहां हार का ठीकरा जीताने की जिम्मेदारी लेने वालों पर फोड़ कर सरकार और संगठन को सकते में ला दिया है। वहीं संगठन द्वारा मलैया परिवार पर की गई कार्रवाई के बाद जबलपुर के बीजेपी विधायक अजय विश्नोई भी खुलकर सामने आ गए हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने सवाल उठाया है कि चुनाव में हार की जबावदारी क्या टिकट बांटने वाले और चुनाव प्रभारी भी लेंगे? पाटन से विधायक एवं पूर्व स्वास्थ मंत्री रह चुके अजय विश्नोई समय-समय पर अपनी बात पार्टी फोरम और इससे इतर भी

रखते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने दमोह उपचुनाव की हार पर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात रखी है। उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी का कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन से 17 हजार 28 मतों के भारी अंतर से हुई हार पर उनकी यह प्रतिक्रिया आई है। बीजेपी विधायक विश्नोई ने कहा कि चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर प्रचार और रणनीति बनाने वालों की भूमिका होती है। पार्टी ने वहां कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह और गोपाल भार्गव को जवाबदारी सौंपी थी। पार्टी की ओर से 20 मंत्री, 50 विधायक, पांच सांसद सहित सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कमान संभाल रखी थी।

25 लाख के दान से 5 मौतों पर पर्दा डालने की कोशिश तो नहीं

जबलपुर यश भारत । एक ऐसी अस्पताल जहां पिछले दिनों ऑक्सीजन की कमी से 5 मरीजों की मौत हो गई थी। जिसकी जांच अभी भी चल रही है। और तो और अस्पताल को खुले अभी चंद महीने ही हुए हैं और आए दिन यहाँ पैसों को लेकर मरीजों के परिजन और अस्पताल प्रबंधन टकराते रहते हैं। उसके बाद भी इस अस्पताल ने रेड क्रॉस सोसाइटी को 25लाख रुपए का दान दिया है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि बड़ी-बड़ी अस्पतालों और बड़े-बड़े दानदाताओं ने तो ज्यादा से ज्यादा एक लाख से 11 लाख तक का दान दिया और एक विवादित अस्पताल ने 25 लाख रुपए का दान कर दिया। ऐसे में सवाल उठना तो लाजमी है।

यह है मामला

विगत 20 अप्रैल को उखरी स्थित गैलेक्सी अस्पतालबमें अचानक ऑक्सीजन खत्म हो जाता है। जिसके चलते 5 मरीजों की मौत हो जाती है। जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आता है और अस्पताल के खिलाफ जांच के आदेश देता है। वही सीएचएमओ भी जांच खत्म होने तक अस्पताल में नए कोरोना मरीजों को भर्ती करने पर रोक लगा देते है। लेकिन यह सब हुए 15 दिन से ज्यादा का समय बीत चुका है। अभी तक न जांच पूरी हुई ना ही कोई ठोस कार्यवाही हुई। ऐसे में अब यह जानकारी मिलना कि एक विवादित अस्पताल मोटा दान दे रही है तो फिर शंका की सुई घूमना स्वाभाविक है।

तो हाईकोर्ट तक जाऊंगा- अन्नू

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगत बहादुर सिंह अन्नू ने इस मामले में कहा कि ,मामले कर जांच का खुलासा होना अभी बांकी है। इसके बाद भी रेडक्रास सोसायटी को गैलेक्सी के द्वारा 25 लाख रूपये का चैक दिया जाना कई सवालों को खड़ा कर रहा है। इसके लिए यदि हाईकोर्ट भी जाना पड़े तो पीछे नहीं हटूंगा।

खड़े ट्राला से टकराया बाइक सवार : मौत

जबलपुर यश भारत। बीती रात कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेलखाडू पुलिस चौकी के झगरा सोसाइटी के पास खड़े एक ट्राला से बाइक सवार टकरा गया जिसमें उसके सिर पर गंभीर चोट आने कारण दुर्घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया दुर्घटना के बाद ट्राला चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया । सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए दुर्घटना की पड़ताल शुरू कर दी है। इस दुर्घटना के संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रेम नगर कटंगी निवासी 20 वर्षीय प्रशांत विश्वकर्मा पिता सत्येंद्र विश्वकर्मा बीती रात बाइक में सवार होकर जबलपुर से अपने घर कटंगी जाने के लिए निकला हुआ था उक्त बाइक सवार रात को जैसे ही झगरा सोसाइटी के सामने पहुंचा ही था कि सामने खड़े एक ट्राला से जा टकरा गया और मौत हो गयी।

जबलपुर में जब थाना प्रभारी ने लौटाया बारातियों को

10 की अनुमति पर जा रहे थे 30

जबलपुर, यशभारत। शनिवार-रविवार को संपूर्ण लॉकडाऊन का पालन कराने जब ग्वारीघाट थाना की पुलिस सड़क पर उतरी तो एक अलग ही नजारा देखने को मिला। दरअसल एक दूल्हा अपने 25 से 30 बारातियों के साथ सड़क में चहलकदमी करते हुए नजर आया। पुलिस ने दूल्हा और उसके परिजनों से पूछताछ की तो उसने बताया कि आज उसकी शादी है वह बारात लेकर पास के गांव में जा रहा है। बारात में कोरोना नियमों को दरकिनार ज्यादा लोग शामिल हुए तो ग्वारीघाट थाना प्रभारी उखड़ गए और उन्होंने 10 को छोड़ सभी बारातियों को घर वापस भेज दिया।

ग्वारीघाट थाना प्रभारी विजय परस्ते ने बताया कि बारातियों से शादी की प्रशासनिक अनुमति का कागज देखा तो उसमें 10 लोग ही शामिल होने का आदेश था। इस पर दूल्हा सहित 10 लोगों को बारात में जाने की अनुमति दी गई शेष को घर भेज दिया गया।

ग्वारीघाट थाना प्रभारी की कार्रवाई

यहां-वहां छुपने लगे बाराती

बताया जा रहा है कि ग्वारीघाट पुलिस जब सड़क पर खड़ी होकर पेट्रोलिंग कर रही थी उस वक्त बारात आकाश गंगा होटल के समीप से गुजर रही थी। पुलिस को देखते ही दूल्हा के साथ नजर आ रहे बाराती यहां-वहां छुपने लगे। बारातियों को छुपते देख पुलिस दूल्हा और उसके परिजनों की जमकर खैर खबर ली। कुछ बाराती ऐसे थे दूर जाकर बारात में शामिल होना चाह रहे थे जिस पर पुलिस की नजर गई तो सभी को घर वापस भेजा गया।

स्मार्ट सिटी अस्पताल में शाहरुख खान की गुंडागर्दी

जबलपुर। गढ़ा थाना क्षेत्रांतर्गत बीती रात चार तत्वों ने एक युवक को स्मार्ट सिटी अस्पताल के बाहर पीटना शुरु कर दिया, जब युवक अपनी जान बचाते हुए अस्पताल के अंदर भागा तो आरोपियों ने अस्पताल में घुसकर तोड़फोड़ करते हुए पत्थर व डंडे से हमला कर दिया। जिससे युवक व बीच बचाव करने वालों को चोटे आ गई। घायल युवक की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है। पुलिस ने बताया कि बेदी नगर छुई खदान निवासी 23 वर्षीय शिवनंदन सिंह पिता शिशुपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह मेडीकल में प्राइवेट नौकरी करता है। बीती रात अपने दोस्त विजय झारिया के साथ स्मार्ट सिटी अस्पताल के गेट के बाहर सड़क पर खड़ा होकर बात कर रहा था। उसी समय दो मोटर साइकिल से कल्लू बर्मन व पवन और उनके दो दोस्त शाहरुख खान व एक अन्य आये और गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरु कर दी। कल्लू ने डंडे से और शाहरुख ने पत्थर से हमला किया। जिससे वह अपने को बचाते हुए अस्पताल के अंदर जा घुसा।

डॉ सुनीता मिश्रा का निधन

जबलपुर। कृषि विज्ञान केंद्र गुना की प्रभारी डॉ सुनीता मिश्रा 52 वर्षीय एसो.प्रोफेसर कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर का मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया वे स्व.डॉ. आई.पी.मिश्रा पूर्व कार्यवाहक कुलपति ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट की पुत्री एवं पत्रकार उमेश शुक्ला की बुआ थी। वे अपने पीछे 1 पुत्र या पुत्री का भरा परिवार छोड़ गई है।

नवविवाहिता दंपती सुसाइड मामला

पिता ने कहा, बेटी की हत्या हुई उसने आत्महत्या नहीं की

जबलपुर, यशभारत। गोरखपुर क्षेत्र के रामपुर तिराहा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के पीछे रहने वाली नवविवाहिता की आत्महत्या मामले में पंजाब से जबलपुर पहुंचे पिता-मां और बेटे ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता का कहना है कि बेटी ने आत्महत्या नहीं की है उसकी हत्या हुई। रोजाना बेटी से फोन पर बात होती थी तो वह हमेशा शादी में कम दहेज सहित अन्य समस्याएं बताकर रोती थी। दामाद जर्मनी में होने के कारण यहां बेटी की देखरेख करने वाला कोई नहीं था। इधर पुलिस ने पिता के आरोपों पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मां का रो-रो कर बुरा हाल

पंजाब से जबलपुर पहुंचे मृतिका की मां ने जैसी ही अपनी बेटी के शव को देखा तो उसके आंखों से आंसू रूक नहीं है। मां के साथ बेटे-पिता भी अपने आंसू रोक नहीं पाए। पिता सतपाल सिंह का आरोप था कि बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती है उसे इसके लिए उकसाया गया है और यह कदम हत्या की श्रेणी में आता है

4 माह पहले हुई थी शादी

होशियारपुर-पंजाब निवासी नवज्योति मक्क? की शादी चार महीने पहले जनवरी 2021 में जबलपुर निवासी सिमरन मक्क? (32) से हुई थी। नवज्योति का ससुराल गोरखपुर क्षेत्र के रामपुर तिराहा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के पीछे है। पति सिमरन जर्मनी में इंजीनियर था। शादी के कुछ समय बाद वह जर्मनी चला गया था। नवज्योति के पिता व भाई सेना में हैं। भाई वर्तमान में महू में तैनात है। नवज्योति के ससुराल में सास-ससुर के अलावा ननद है। ननद का तलाक हो चुका है। 10 दिन पहले ही नवज्योति अपने पिता के घर से ससुराल लौटी थी।

जर्मनी में पति ने की आत्महत्या

गोरखपुर टीआई सारिका पांडे के मुताबिक नवज्योति के मायके वाले जबलपुर आज पहुंचे।मायके वालों के आने के बाद कमरे को एफएसएल की मौजूदगी में खोला गया था। सिमरन के भी सुसाइड की पुष्टि करते हुए बताया कि जर्मनी पुलिस अधिकारी का फोन आया था। वहां से सिमरन के परिजनों को अवगत कराने के लिए कहा गया है।

पंजाब से मृतक बेटी को देखने आए मां-बाप के नहीं रुक रहे आंसू

वैक्सीन लगवाने भटके युवा

डुमना से भगाया तो आईआईटी पहुंचे वहां लौटाया फिर डुमना पहुंचे , हुआ हंगामा

जबलपुर, यशभारत। कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए जहां सरकार और प्रशासन दिन रात मेहनत कर रहा है तो वहीं स्थानीय अमला इनकी मेहनत में पानी फेर रहा है। ताजा मामला डुमना एयरपोर्ट का जहां पर 18+ वाले लोग वैक्सीन लगवाने पहुंचे तो वहां उनको घंटों भटकना पड़ा। यहां तक कि उनसे कह दिया गया यहां वैक्सीन नहीं लगेगी जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। वैक्सीन लगवाने पहुंचे लोगों के हंगामे को देखकर डुमना एयरपोर्ट ने प्रबंधन कह दिया कि आईआईटी में वैक्सीन लगाई जाएगी। जब वैक्सीन लगवाने लोग आईआईटी पहुंचे तो वहां से उन्हें भगा दिया गया। दोबारा डुमना एयरपोर्ट पहुंचे लोगों ने जमकर हंगामा किया इसके बाद डुमना एयरपोर्ट प्रबंधन ने उन लोगों को वैक्सीन लगवाने की बात कही जो जिनके नाम सूची में थे। जबलपुर में 18+ वालों का जिले में 14 सेंटर्स में वैक्सीनेशन हो रहा है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी सेंटर्स स्कूल, मंदिर, कम्यूनिटी हाल में बनाए गए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)